RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 89 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 24-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नौकरी के बहाने जमीन छीनने की साजिश : रविशंकर प्रसाद
6 बिहार चुनाव : मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति
7 चित्रांगदा सिंह की तबीयत बिगड़ी, पोस्ट शेयर कर बताया, 'जल्द ही दौड़ने लगूंगी'

फर्स्ट टेक

यूरोपीय संघ ने रूस पर कई और आर्थिक प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को रूस पर कई और आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के तेल उद्योग के खिलाफ कई प्रतिबंधों की घोषणा की थी। हालांकि, रूसी अधिकारियों और सरकारी मीडिया ने पश्चिमी देशों के दंडात्मक उपायों को काफी हद तक अप्रभावी बताते हुए खारिज कर दिया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गठबंधन

वैचारिक मतभेद भले हो,
अवसर को सब करते वंदन।
बिन सत्ता के हर दल वाले,
नेता करते प्रतिपल क्रंदन।
ख़ुदग़र्ज़ी का चक्रव्यूह रच,
खूब लगाते घिस-घिस चंदन।
कुर्सी के बंधन में फँस कर,
करते हैं सब नव गठबंधन।।

विपक्षी गठबंधन 'गठबंधन' नहीं, बल्कि 'लठबंधन' (अपराधियों का गठबंधन) है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार में ''जंगलराज'' पर अगले 100 साल तक चर्चा होगी और विपक्ष अपने कुकृत्यों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी।

तेजस्वी यादव को बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए जाने के बीच राजद-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'गठबंधन' नहीं, बल्कि 'लठबंधन' (अपराधियों का गठबंधन) है क्योंकि दिल्ली और बिहार के इसके सभी नेता जमानत पर बाहर हैं।

मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बुजुर्ग लोग युवाओं को ''जंगलराज'' के दौरान हुए अत्याचारों के बारे में जानकारी दें। मोदी का इशारा उस समय की ओर था जब बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे।

ऑडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूत: युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार में 'जंगलराज' को लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे और विपक्ष अपनी करतूतों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी।

मोदी ने कहा, ''मैं बिहार के सभी युवाओं से कहूंगा कि वे हर बूथ पर युवाओं को इकट्ठा करें और उस क्षेत्र के बुजुर्गों को बुलाकर 'जंगलराज' की पुरानी कहानियां सबको बताएं।'' उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता से बातचीत करते हुए कहा कि देश में विकास का एक 'महायज्ञ' चल रहा है, तथा केंद्र और बिहार में स्थिर सरकार के कारण चौतरफा काम हो रहा है।

मोदी ने कहा, ''बिहार में हर क्षेत्र में, हर दिशा में काम हो रहा है। अस्पताल बन रहे हैं, अच्छे स्कूल स्थापित हो रहे हैं और नए रेल मार्ग विकसित किए जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि देश और बिहार में एक स्थिर सरकार है। जब स्थिरता होती है, तो विकास तेज होता है।

कपाट

उत्तराखंड में स्थित विश्वप्रसिद्ध उच्च गढ़वाल हिमालयी धामों केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट बृहस्पतिवार को भैयादूज के पावन पर्व पर परंपरागत पूजा पाठ और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए ।

भारत मानवता, निष्पक्षता तथा तटस्थता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (हिप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत की मानवीय भागीदारी की दिशा संप्रभुता, अहस्तक्षेप और 'नैतिक ज़िम्मेदारी' के सिद्धांतों से तय होती है, और भारत मानवता, निष्पक्षता तथा तटस्थता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध है।

भाजपा की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद ठाकुर ने स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 151वीं बैठक में यह टिप्पणी की।

बयान के मुताबिक, 170 देशों के सांसदों की सभा में भारत के सांसदों का प्रतिनिधित्व करते हुए ठाकुर ने संघर्षों और आपदाओं की बढ़ती घटनाओं के बीच बहुपक्षीय सहयोग में गिरावट और मानवीय सहायता निधि में कमी के प्रति आगाह किया। उन्होंने आईपीयू की आम चर्चा में संकट के समय में मानवीय मानकों को कायम रखना और मानवीय कार्रवाई का समर्थन करना विषय पर भारत का पक्ष प्रस्तुत किया।

रक्षा मंत्रालय ने 79,000 करोड़ रुपए के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नाग मिसाइलों, युद्धक जहाजों और इलेक्ट्रॉनिक खुफिया एवं निगरानी प्रणालियों सहित 79,000 करोड़ रुपए के हथियार और सैन्य साजो-सामान खरीदने के प्रस्तावों को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक में खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद खरीद पर यह दूसरा बड़ा फैसला है। पांच अगस्त को 67,000 करोड़ रुपए की खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने लगभग 79,000 करोड़ रुपए की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

गगनयान मिशन का 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा : इसरो प्रमुख

बेंगलूरु। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बृहस्पतिवार को कहा कि गगनयान मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है और लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है। नारायणन ने मिशन की प्रगति के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, गगनयान मिशन पर बहुत अच्छी तरह से काम जारी है। वास्तव में, जब आप गगनयान मिशन के बारे में बात करते हैं, तो आप जानते हैं कि बहुत सारे तकनीकी विकास होने हैं – रॉकेट का मानव-रेटिंग प्रमाणन होना है, कक्षीय मॉड्यूल विकसित करना है, और पर्यावरण नियंत्रण सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी है। फिर चालक दल की सुरक्षा की प्रणाली, पैराशूट प्रणाली और फिर, निश्चित रूप से, मानव-केंद्रित उत्पाद आते हैं।

वह तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी-2025) की प्रचार गतिविधियों के अवसर पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कहा कि लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, अब चालक दल वाले मिशन पर जाने से पहले तीन मानवरहित मिशन पूरे करने होंगे और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। पहले मानवरहित मिशन में, व्योममित्र उड़ान भरने जा रहा है और हम 2027 की शुरुआत तक मानवयुक्त मिशन पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

देव दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज शिवाजीनगर के महिला मंडल की सदस्याओं ने दीपावली व नववर्ष के उपलक्ष्य में बस द्वारा विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर पूजा की। सदस्याओं ने बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा माता मंदिर, खाटू श्याम मंदिर, मीनाक्षी मंदिर, शेषाद्रिपुरम स्थित इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर व बालाजी मंदिर के दर्शन किए तथा समाज के लिए खुशहाली की कामना की।

संवैधानिक शासन प्रणाली में अदालतों की सक्रिय और अपरिहार्य भूमिका है : प्रधान न्यायाधीश गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता के विश्वास को न्यायपालिका की ''सबसे मूल्यवान संपत्ति'' बताते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई ने बृहस्पतिवार को कहा कि संवैधानिक शासन प्रणाली और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में न्यायालयों की सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संवैधानिक शासन में न्यायालयों की शायद सबसे स्थायी भूमिका कानून के शासन में जनता के विश्वास को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्णय, भले ही अलोकप्रिय हों, निष्पक्षता और नैतिक साहस को प्रतिबिंबित करने वाले होने चाहिए। भूटान की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए न्यायमूर्ति गवई ने रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, थिम्पू में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (जेएसडब्ल्यू) स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वक्तव्य दिया। उन्होंने 'न्यायालय और संवैधानिक शासन' विषय पर अपने संबोधन में न्यायालयों की सक्रिय भूमिका सहित कई पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं आपको और ज्यादा उदाहरणों से बोझिल नहीं करूंगा, लेकिन मैं एक व्यापक बिंदु पर जोर देना चाहता हूं: किसी भी देश की अदालतों की संवैधानिक शासन प्रणाली में और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में एक सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका होती है।'' उन्होंने कहा कि न्यायपालिका इस प्रक्रिया में न केवल संवैधानिक पाठ की व्याख्या करके, बल्कि संस्थाओं

के बीच मध्यस्थ, मौलिक अधिकारों के संरक्षक और पर्यावरण एवं सामूहिक कल्याण के रक्षक के रूप में भी योगदान देती है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''इस प्रकार अदालतों की एक विशिष्ट स्थिति है: उन्हें संवैधानिक संतुलन बनाए रखने का कर्तव्य सौंपा गया है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि न्याय की भावना शासन में व्याप्त रहे।'' उन्होंने कहा कि न्यायिक प्राधिकार अंततः बल प्रयोग पर नहीं, बल्कि नैतिक वैधता पर आधारित है जो नागरिकों का न्यायपालिका की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और शुचिता में विश्वास और भरोसा है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि अदालतें पारदर्शिता, तर्कसंगत निर्णयों और संवैधानिक सिद्धांतों के निरंतर पालन के माध्यम से यह विश्वास अर्जित करती हैं। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक निर्णय, चाहे वह अलोकप्रिय ही क्यों न हो, उसमें निष्पक्षता और नैतिक साहस परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिकों को यह विश्वास हो कि न्याय बिना किसी भय या पक्षपात के होगा, तो संपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था की वैधता मजबूत होती है।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''जनता का विश्वास न्यायपालिका की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। यही वह चीज है जो न्यायिक निर्णयों को मात्र कानूनी आदेशों से सामाजिक विवेक के साधन में बदल देती है।'' उन्होंने कहा कि इस विश्वास को बनाए रखकर, अदालतें न केवल कानून की व्याख्याकार बनती हैं, बल्कि लोकतंत्र की संरक्षक भी बनती हैं, जो संविधान की पूरी तरह रक्षा करती हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''अंत में, न्यायपालिका की भूमिका का एक पहलू है जिस पर अक्सर उतनी चर्चा नहीं होती जितनी होनी चाहिए: संवैधानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और संवैधानिक मूल्यों के बारे में जनता की समझ विकसित करने की ज़िम्मेदारी।'' उन्होंने कहा, ''न्यायपालिका संविधान की संरक्षक और नैतिक चेतना दोनों के रूप में कार्य करती है। इसकी भूमिका व्याख्या से परे है। यह राज्य के अंगों के बीच नाजुक संतुलन बनाए रखकर संवैधानिकता की जीवंत भावना को मूर्त रूप देती है।''

मनोभावों को प्रभावित करने में चित्रों की अहम भूमिका : आचार्य अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

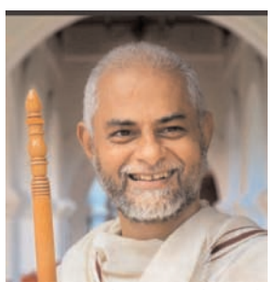

बेंगलूरु। शहर के माधवनगर जैन संघ में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में आयोजित चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर प्रवचन में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि शब्द की तरह चित्र का भी मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सकारात्मक संदेशयुक्त चित्र व्यक्ति को सत्कार्य की प्रेरणा देते हैं। आज सोशल मीडिया के युग में चारों ओर हिंसा, अश्लीलता और अपराध के दृश्यों की भरमार ने लोगों के मनोभावों और व्यवहार में विपरीत परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में यह अत्यंत आवश्यक है कि महापुरुषों के जीवन चरित्र से लोगों को चित्रों के माध्यम से रूबरू कराया जाए जिससे उन्हें गुणों और संस्कारों की प्रेरणा मिले।

प्रदर्शनी के आयोजक वासुपूज्य संस्कार वाटिका के सदस्य अर्हम वेदमुथा ने बताया कि प्रदर्शनी के चित्र भगवान महावीर स्वामी के जीवन को जानने में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए सरल एवं प्रभावशाली माध्यम साबित हो रहे हैं । गुरुवार को अचार्यश्री की निश्रा में मुम्बई के मुमुक्षु भव्य शाह की होने वाली दीक्षा की आमंत्रण पत्रिका लिखी गई।

साल 2024 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 99.7 प्रतिशत रही : आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। देश में कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान भुगतान प्रणाली में मात्रा के हिसाब से डिजिटल भुगतान लेनदेन 99.7 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 97.5 प्रतिशत रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि यह प्रवृत्ति 2025 की पहली छमाही में भी जारी रही।

रिजर्व बैंक की जून, 2025 की अर्धवार्षिक भुगतान प्रणाली रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हाल के वर्षों में भुगतान प्रणाली में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। देश में भुगतान प्रणाली कई प्रकार के तरीकों का समूह है, जो उपयोगकर्ताओं की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इनमें कागज आधारित साधन जैसे चेक और डिजिटल भुगतान प्रणाली दोनों शामिल हैं। डिजिटल भुगतान प्रणालियों में एनईएफटी, आरटीजीएस, एनएसीएच, डेबिट और क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड भुगतान उपकरण और यूपीआई शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सभी प्रकार के भुगतान में वृद्धि हो रही है, सिवाय कागज आधारित साधनों के। मूल्य के हिसाब से चेक कुल लेनदेन का केवल 2.3 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 में कुल 3,248 करोड़ भुगतान हुए थे, जो 2024 तक बढ़कर 20,849 करोड़ हो गए।

इसी अवधि में कुल भुगतान की रकम 1,775 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2,830 लाख करोड़ रुपए हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून, 2025 को समाप्त छमाही में 12,549 करोड़ लेन-देन हुए। इसमें 1,572 लाख करोड़ रुपए की राशि शामिल है। भुगतान में लगभग सारी वृद्धि डिजिटल भुगतान लेनदेन के कारण हुई है।

अब बेंगलूरु डिवीजन के रेलवे स्टेशनों पर प्रीमियम ब्रांड आउटलेट खुलेंगे

बेंगलूरु। रेल यात्री सुविधाओं को बढ़ाने और गैर-किराया राजस्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, दक्षिण पश्चिम रेलवे का बेंगलूरु डिवीजन सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्रीमियम सिंगल ब्रांड रिटेल आउटलेट स्थापित करने के लिए प्रतिष्ठित सिंगल-ब्रांड कंपनियों को आमंत्रित करते हुए ई-नीलामी/निविदाएँ आमंत्रित करने वाला है। यह पहल रेलवे बोर्ड द्वारा शुरू की गई एक नई नीति के तहत की जा रही है, जिसके तहत ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से प्रीमियम स्टॉल के लिए उपलब्ध अप्रयुक्त खाली स्थान आवंटित करके ठेके दिए जाएँगे। इन आउटलेट्स में रेल यात्रियों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने वाले परिधान, जूते, यात्रा सहायक उपकरण और अन्य जीवनशैली उत्पाद बेचने वाले उच्च-स्तरीय ब्रांड शामिल हो सकते हैं। ये स्टॉल उन सभी प्रमुख स्टेशनों के स्टेशन परिसर के भीतर प्रमुख स्थानों पर स्थापित किए जाएँगे जहाँ यात्रियों की संख्या अधिक होती है और जगह की उपलब्धता भी अधिक होती है।

'आप' ने भाजपा पर छठ के लिए यमुना की सफाई का ''नाटक करने'' का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली और हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों पर त्योहार से पहले स्वच्छता का ''भ्रम'' पैदा करने के लिए उत्तर प्रदेश की पूर्वी नहर का पानी यमुना नदी की ओर मोड़ने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी ने हालांकि, इस आरोप को खारिज कर दिया। 'आप' की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की पूर्वी नहर से पानी यमुना नदी में मोड़ने का कदम बिहार विधानसभा चुनावों से पहले पूर्वांचली मतदाताओं को लुभाने का एक राजनीतिक प्रयास है। भारद्वाज ने कहा, ''भाजपा का झूठ पकड़ा गया है। छठ से पहले यमुना के प्रदूषण को कम करने के लिए भाजपा ने उत्तर प्रदेश की नहर का पानी रोक दिया। हरियाणा की भाजपा सरकार ने हथिनीकुंड से उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए आने वाले सारे पानी को यमुना में मोड़ दिया ताकि कुछ दिनों के लिए यह साफ दिखाई दे।'' उन्होंने कहा कि बाद में झाग हटाने वाले रसायनों का उपयोग करके झाग को हटाया जाएगा।

पीडीपी राज्यसभा चुनाव में नेकां का समर्थन करेगी : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को एक दिन बाद होने वाले राज्यसभा चुनाव में समर्थन देने की घोषणा की। पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने नेकां को समर्थन देने और उनके उम्मीदवारों को वोट देने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा को जीत से दूर रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। महबूबा ने कहा, ''यह पार्टी (नेकां) इसकी हकदार नहीं है, लेकिन हमें फासीवादी ताकतों को दूर रखने के व्यापक उद्देश्य के लिए अपना समर्थन देना होगा।'' उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में समर्थन के लिए नेकां के अनुरोध पर पार्टी नेतृत्व और उसके विधायकों के साथ चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने उनसे फोन पर बात की और उनकी पार्टी के समर्थन का अनुरोध किया। नेकां के राज्यसभा उम्मीदवार शम्मी ओबेरॉय ने भी समर्थन मांगने के लिए महबूबा से उनके आवास पर बुधवार को मुलाकात की थी।

आंध्र सरकार नकली शराब के उत्पादन, बिक्री को 'संस्थागत' बना रही है : वाईएसआर प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश सरकार पर नकली शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री को संस्थागत बनाने का आरोप लगाया।

ताडेपल्ली में वाईएसआरसीपी केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के माध्यम से राज्यव्यापी अवैध शराब का रैकेट चला रही है, जिसमें नकली शराब कारखाने स्थापित करना भी शामिल है। रेड्डी ने कहा, आप राज्य में देखें कि अवैध और नकली शराब संस्थागत तरीके से बेची जा रही है। उन्होंने कहा कि तेदेपा नेता एवं कार्यकर्ता अपनी खुदरा शराब दुकानों के माध्यम से इसकी बिक्री कर रहे हैं। विपक्षी नेता के अनुसार, अवैध शराब की दुकानों (बेल्ट शॉप्स) की नीलामी गांवों में पुलिस सुरक्षा में हो रही है, जबकि अनधिकृत परमिट के जरिये नकली शराब ऊंची कीमतों पर बेची जा रही है। रेड्डी ने दावा किया कि अवैध शराब से सरकार को राजस्व घाटा हो रहा है और जन स्वास्थ्य को खतरा हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि परवाड़ा, पलाकोल्लू, अमलापुरम, एलुरु, रेपल्ले और नेल्लोर में नकली शराब की इकाइयां पाई गई हैं। उन्होंने कथित नकली शराब बनाने के लिए जब्त की गई सामग्री की तस्वीरें दिखाईं, जिनमें स्टिकर, लेबल, सील, बोतलें, डिब्बे, कार्टन और कई अन्य उपकरण शामिल हैं।

वाईएसआरसीपी प्रमुख के अनुसार, संगठित तरीके से नकली शराब बनाने, वितरित करने और बेचने की विरासत नायडू और उनके बेटे नारा लोकेश की है। इसके अलावा, रेड्डी ने कहा कि लूट के माल के बंटवारे को लेकर आंतरिक मतभेद के कारण कथित नकली शराब गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

'नम्मा नक्शे' क्यूआर आधारित स्टेशन नेविगेशन एप्लिकेशन का हुआ विस्तार

बेंगलूरु। रेल यात्री सुविधा और डिजिटल पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक बड़े कदम में, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने स्टेशन नेविगेशन के लिए क्यूआर-आधारित वेब एप्लिकेशन 'नम्मा नक्शे' का पूरे डिवीजन के 14 स्टेशनों तक विस्तार किया है।

शुरुआत में केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर शुरू की गई, नम्मा नक्शे सुविधा अब एसएमवीटी बेंगलूरु, बंगारपेट जंक्शन, केंगेरी, कृष्णराजपुरम, येलहंका जंक्शन, करमेलाराम, होसुर, हिंदूपुर, मांड्या, रामानगरम, श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम, तुमकुरु और व्हाइटफील्ड स्टेशनों पर भी उपलब्ध है।

जनसम्पर्क अधिकारी प्रणेश के.एन. ने बताया कि यह वेब-आधारित एप्लिकेशन, स्टेशन परिसर में प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन करके प्राप्त किए जा सकने वाले एक इंटरैक्टिव डिजिटल मानचित्र के माध्यम से वास्तविक समय में, स्टेशन-विशिष्ट नेविगेशन सहायता प्रदान करता है। यात्री प्लेटफॉर्म, निकास द्वार, फुट ओवरब्रिज, सबवे, प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, रैंप, पेयजल पॉइंट और खानपान स्टॉल सहित स्टेशनों के 2ऊलेआउट को तुरंत देख सकते हैं। यह इंटरफ़ेस छवि-आधारित मार्गदर्शन और मार्ग विकल्प प्रदान करता है।

एआई सामग्री पर नियंत्रण करना सरकार का मकसद नहीं, पारदर्शिता जरूरी : मेइटी सचिव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये बनाई गई या संशोधित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य करने के पीछे उसका मकसद ऑनलाइन सामग्री को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) सचिव एस कृष्णन ने एआई-निर्मित सामग्री पर मंत्रालय की तरफ से जारी प्रस्तावों के मसौदे के बारे में यह बात कही। कृष्णन ने कहा, हम केवल यह चाहते हैं कि सामग्री पर स्पष्ट निशान हो कि यह एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। हम नहीं कह रहे कि इसे पोस्ट न करें या इस पर रोक लगानी है। आप बस बता दें कि सामग्री कृत्रिम ढंग से बनी है। इससे उपयोगकर्ता तय कर सकते हैं कि वह सामग्री उनके लिए उपयुक्त है या नहीं। सरकार ने आईटी नियमों में संशोधन के प्रस्ताव के मसौदे में कहा है कि 50 लाख या अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े सोशल मीडिया मंचों (फेसबुक और यूट्यूब) को भी एआई सामग्री की सत्यता जांचने और उचित तकनीकी उपायों से इसे चिन्हित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन नियमों में एआई-निर्मित सामग्री का निशान लगाना, दृश्यता और मेटाडेटा एम्बेडिंग जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं ताकि एआई एवं कृत्रिम ढंग से बनी सामग्री को वास्तविक मीडिया से अलग पहचाना जा सके।

युवाओं की तकदीर बदलने के लिए सरकार ठोस प्रयास कर रही : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोरिंडा (रूपनगर)/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार युवाओं को नौकरी मांगने वालों की बजाय नौकरी देने वाला बनाकर उनकी तकदीर बदलने के लिए ठोस प्रयास कर रही है।

यहां शहीद सूबेदार मेवा सिंह स्कूल ऑफ एमिनेंस के विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में शैक्षिक क्रांति के एक नए युग की शुरुआत की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह क्रांति छात्रों को प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करके और उन्हें जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाकर वांछित परिणाम दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने 2022 में ''शिक्षा क्रांति'' शुरू की है ताकि पंजाब के बच्चों को अपने सपनों को हकीकत में बदलने और जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद मिल सके। मान ने दावा किया कि अतीत पर नजर डालने पर यह देखना वास्तव में निराशाजनक है कि कैसे दोषपूर्ण नीतियों के कारण गरीब बच्चों को शिक्षा के उनके अधिकार से वंचित किया गया।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ''क्रांतिकारी'' कदम उठाए हैं, जिनकी देशभर में व्यापक सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 231.74 करोड़ रुपए के निवेश से 118 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' स्थापित किए जा रहे हैं। मान ने कहा कि इन स्कूलों को वंचित बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक उल्लेखनीय शुरुआत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों को निःशुल्क वर्दी उपलब्ध कराई जा रही है।

उत्तराखंड सरकार अग्निवीर बनने के इच्छुक युवक-युवतियों को देगी निशुल्क प्रशिक्षण

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार सेना में अग्निवीर बनकर देश की सेवा करने के इच्छुक युवक-युवतियों को भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण देगी। अधिकारियों ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर ली है तथा यह प्रशिक्षण राज्य के सभी 13 जिलों में दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों विभाग को युवाओं को अग्निवीर भर्ती के लिए प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए थे ताकि वे उत्तराखंड की महान सैन्य परंपरा के अनुसार सेना में अपना करियर बना सकें। अग्निवीर भर्ती पूर्व प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवक-युवतियों के लिए उत्तराखंड का मूल या स्थायी निवासी होना अथवा राज्य में किसी संस्थान में अध्ययनरत या सेवारत होना अनिवार्य है। इसके अलावा, प्रशिक्षण हेतु हाईस्कूल परीक्षा 45 प्रतिशत या उससे अधिक अंक के साथ उत्तीर्ण होना तथा प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 16 वर्ष से अधिक आयु होना जरूरी है।

ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' का अभी वैश्विक मानकों पर खरा उतरना बाकी: हिताची रेल इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे समाधान प्रदान करने वाली कंपनी हिताची रेल इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत की स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' का वैश्विक मानकों पर खरा उतरना अभी बाकी है।

'कवच' स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है। रेल मंत्रालय का कहना है कि यह अत्यधिक प्रौद्योगिकी-प्रधान प्रणाली है और उच्चतम सुरक्षा प्रमाणन के साथ आती है। ट्रेन के चालक द्वारा ब्रेक न लगा पाने की स्थिति में 'कवच' स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर उसे निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर ट्रेनों को चलाने में सहायता करता है। यह खराब मौसम के दौरान ट्रेन सुरक्षा को भी बढ़ाता है।

भारतीय रेलवे नेटवर्क पर कवच प्रणाली को बड़े पैमाने पर तैनात किए जाने की प्रक्रिया में जापानी कंपनी हिताची के भागीदार न होने के बारे में पूछे जाने पर हिताची रेल एसटीएस इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी प्रतिनिधि मनोज कुमार कृष्णप्पा ने कहा कि कवच अभी वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। कृष्णप्पा ने कहा, ''हम कवच समाधानों का हिस्सा नहीं बने क्योंकि यह भारतीय रेलवे के लिए एक स्वदेशी जरूरत है। मुझे बहुत खुशी है कि कई भारतीय कंपनियां कवच पर काम कर रही हैं। हिताची इंडिया को इस बात पर गर्व है कि यह एक भारतीय उत्पाद है।'' उन्होंने कहा, ''यह अभी वैश्विक मानकों की जरूरतों के अनुरूप एक स्थापित प्रौद्योगिकी नहीं है। इसलिए हम प्रतीक्षा कर रहे हैं और इस पर नजर रखे हुए हैं।''

रेल मंत्रालय ने वर्ष 2018-19 में कवच प्रणाली की शुरुआत की थी। हालांकि देश भर के कई रेल खंडों पर यह प्रणाली पहले ही लगाई जा चुकी है, लेकिन इसे अभी चालू किया जाना बाकी है।

रेल मंत्रालय का दावा है कि कवच प्रणाली यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण प्रणाली (ईटीसीएस) के स्तर-2 के बराबर है। कवच के आगमन से पहले हिताची रेल एसटीएस इंडिया ने वर्ष 2016 में भारत की पहली उच्च गति वाली ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस में ट्रेन सुरक्षा एवं चेतावनी प्रणाली (टीपीडब्ल्यूएस) को लागू किया था। कृष्णप्पा ने कवच प्रणाली के टीपीडब्ल्यूएस से बेहतर होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''टीपीडब्ल्यूएस कहीं एक बेहतर प्रौद्योगिकी है।... भारत ने मुख्य रूप से लागत और अन्य कारणों से टीपीडब्ल्यूएस को नहीं अपनाया।''

मुंबई में बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगी, 17 लोग दम घुटने से पीड़ित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के जोगेश्वरी उपनगर में बृहस्पतिवार सुबह एक 13 मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगने से 17 लोग धुएं की चपेट में आ गए जिससे उनका दम घुटने लगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों ने दम घुटने की शिकायत की थी उनमें से नौ का इलाज पास के नगर निगम द्वारा संचालित एचबीटी अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आठ अन्य ने चिकित्सीय सलाह के विरुद्ध अस्पताल से छुट्टी ले ली। उन्होंने बताया कि गांधी स्कूल के पास जेएनएस बिजनेस सेंटर में सुबह करीब 10.50 बजे आग लग गई, जिससे शीशे के सामने घना काला धुआं फैल गया। अधिकारी ने बताया कि आग को बुझाने का काम जारी है। इमारत की नौवीं से 13वीं

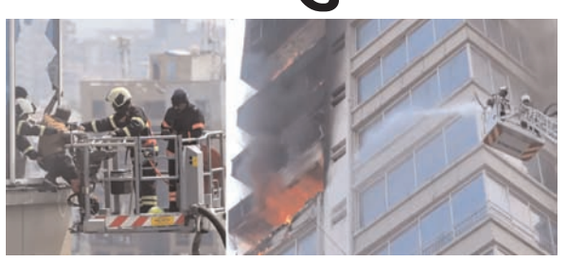

मंजिल तक आग की लपटें फैल गईं। आग चौथी और 13वीं मंजिल के बीच इलेक्ट्रिक डक्ट में भी फैल गई। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि कम से कम 12 दमकल गाड़ियां और अन्य अग्निशमन उपकरण मौके पर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों ने सीढ़ियों और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म सीढ़ियों का उपयोग करके विभिन्न मंजिलों से दो महिलाओं सहित कुल 27 लोगों को बचाया। अधिकारी ने बताया कि आग की लपटें बिजली के तारों और छतों, दरवाजों, खिड़कियों, बिजली और एसी की नलियों और फर्नीचर तक ही सीमित थीं। अधिकारी ने बताया कि 11वीं से 13वीं मंजिल तक के कार्यालयों में धुआं भर गया और दमकल कर्मियों ने हवा आने-जाने के लिए शीशे तोड़ दिए।

तमिलनाडु में भारी बारिश का कहर, चेन्नई के बांधों से समुद्र में छोड़ा जा रहा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में लगातार हो रही भारी बारिश से कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं और कुछ जिलों में धान की फसल डूब गई है। इसके अलावा जलभराव के बाद विल्लुपुरम बस स्टैंड पर यात्री फंस गए। दक्षिण-पूर्वी अरब सागर पर बना निम्न दाब क्षेत्र एक अवदाब में परिवर्तित हो गया है और अगले 24 घंटे के दौरान इसके धीरे-धीरे उत्तर/उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है। तमिलनाडु तट से दूर बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम पर बना एक और निम्न दाब क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है तथा अगले 12 घंटे के दौरान इसके अवदाब में परिवर्तित होने से और अधिक बारिश का अनुमान है।

चेन्नई में, जल संसाधन विभाग ने तीन जलाशयों से अतिरिक्त पानी छोड़ने की घोषणा की क्योंकि जल स्तर तेजी से जलाशय चरम सीमा की ओर बढ़ रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, लोग घबराएं नहीं। चेम्बरमबक्कम, पुझल और पूंडी जलाशयों से पानी समुद्र में छोड़ा जाना शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि अगर बहुत भारी बारिश भी होती है, तो भी छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा सीमित रहेगी और यह सुरक्षित रूप से समुद्र तक पहुंच जाएगा। चेन्नई में, 35 फुट क्षमता वाले पूंडी जलाशय में 78.49 प्रतिशत जल संग्रहण हो चुका है, जबकि 18.86 फुट की पूर्ण क्षमता वाले चोलावरम में 42.37 प्रतिशत जल है। 21.2 फुट क्षमता वाली रेड हिल्स (पुझल झील) में जलस्तर 83.18 प्रतिशत तक पहुंच गया है जबकि 24 फुट ऊंचे चेम्बरमबक्कम बांध में 77.23 प्रतिशत जल है। वीरनम और थेरवॉय कंडीगई में जल स्तर क्रमशः 24 फुट और 36.6 फुट की अपनी पूर्ण क्षमता के मुकाबले 77.23 प्रतिशत और 86 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

भारी बारिश के कारण राज्य के सबसे बड़े मेट्टूर बांध समेत विभिन्न जलाशयों के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। मेट्टूर बांध का जलस्तर चरम सीमा पर पहुंच गया है। जल संसाधन विभाग के एक सूत्र के अनुसार, सलेम जिले में स्थित मेट्टूर बांध (स्टैनली जलाशय) अपनी पूर्ण जल क्षमता 120 फुट तक पहुंच गया है और इसमें 36,484 क्यूसेक पानी का प्रवाह जारी है। बांध से लगभग 35,741 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यहां 10.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। तेज बारिश के कारण विल्लुपुरम नए बस स्टैंड पर जलभराव हो गया, जिसकी वजह से यात्री फंस गए।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने यहां रिपन बिल्डिंग में स्थित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों को बारिश से संबंधित जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने ग्रेटर चेन्नई निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के कई बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के निर्देश के बाद, ग्रेटर चेन्नई निगम (जीसीसी) ने शहर में बारिश से प्रभावित 1.46 लाख लोगों के लिए 106 जगह पर भोजन तैयार करने और परोसने का प्रबंध किया है। चेन्नई की महापौर आर. प्रिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''शाकाहारी बिरयानी और सांभर दोपहर के भोजन के रूप में परोसा गया।'' अन्नाद्रमुक के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने कावेरी डेल्टा जिलों में से एक तंजावुर का दौरा किया, जहां धान की फसल में पानी भर गया है।

उन्होंने धान भंडारण केंद्रों का दौरा कर किसानों से बातचीत की। बाद में, पत्रकारों से उन्होंने कहा कि फसल जलमग्न होने से किसान रो रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार बारिश में डूबी धान की खरीद करेगी।

मयिलादुथुराई जिले में भी भारी बारिश के कारण लगभग 50,000 एकड़ में उगाई गई फसल जलमग्न हो गई है। आईएमडी ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम जिलों और कराईकल क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने भारी बारिश के मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर पूर्वोत्तर मानसून की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को सतर्क रहने तथा बचाव एवं राहत गतिविधियों के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, तंजावुर, तिरुवरुर, मयिलादुथुराई और तूतीकोरिन जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु के कुछ हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने कहा कि एक निम्न दाब क्षेत्र बन रहा है जो गहन दाब क्षेत्र में तब्दील हो सकता है।

चेन्नई मेट्रो ने बारिश से बचाव के लिए बनाई खास रणनीति, मशीनरी और स्टेशनों को सुरक्षित रखने की तैयारी

चेन्नई। चेन्नई में उत्तर-पूर्वी मानसून की सक्रियता से लगातार हो रही भारी बारिश ने शहर की सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। जलभराव की समस्या हर साल इस मौसम में चेन्नईवासियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है।ऐसे में चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने एक व्यापक और सुनियोजित बाढ़-निवारण योजना तैयार की है, जिससे न केवल पहले से संचालित मेट्रो स्टेशनों को सुरक्षित रखा जा सके, बल्कि निर्माणाधीन स्थलों पर भी किसी प्रकार की क्षति न होने पाए। इस कदम का उद्देश्य है कि मेट्रो सेवाएं बारिश के दौरान भी सुचारू रूप से चलती रहें और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सीएमआरएल अधिकारियों के अनुसार, फेज-1 और उसके विस्तार के अंतर्गत आने वाले कुछ प्रमुख स्टेशन, जैसे गवर्नमेंट एस्टेट, सैदापेट, टेयनामपेट, सेंट थॉमस माउंट, कोयम्बेडु, अरुमबक्कम, तिरुवोट्टियूर और टोल गेट को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन स्थानों पर जलभराव की संभावना अधिक होने के कारण पहले से 1,000 से अधिक बोरे, 300 सीमेंट ब्लॉक और 50 किलो वजन के 20 सीमेंट बैग स्टॉक में रखे गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर पानी के प्रवेश को रोका जा सके।

सीएमआरएल के प्रोजेक्ट निदेशक टी. अर्चुनन ने बताया कि एजेंसी ने योजना को चार प्रमुख श्रेणियों में बांटा है, पहली- पहले से चालू मेट्रो स्टेशन, दूसरी- निर्माणाधीन स्थल, तीसरी- संवेदनशील क्षेत्र जैसे ओएमआर और पोरूर जंक्शन, और चौथी- ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) जैसे विभागों के साथ समन्वय। उन्होंने आगे कहा, ''सभी श्रेणियों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पहले से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत जहां चालू स्टेशनों पर जरूरी सामग्री पहले से रखी गई है, वहीं निर्माण स्थलों पर रिटेनिंग वॉल्स (बाधा दीवारें) और पंपिंग सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि बारिश का पानी अंदर न घुस सके।''

सीएमआरएल के अनुसार, फिलहाल फेज-2 परियोजना के तहत शहर के कई हिस्सों में भूमिगत सुरंगों की खुदाई का काम जोरों पर है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के जरिए यह खुदाई की जा रही है और साथ ही टनल लॉन्च व रिट्रीवल शाफ्ट पर भी कार्य प्रगति पर है। ये मशीनें काफी महंगी होती हैं और यदि बारिश का पानी इनमें घुस जाए तो यह भारी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारी क्षमता वाले जल पंपों को इन साइटों पर तैनात किया गया है, ताकि पानी अंदर न जा सके और कार्य में रुकावट न आए।

इसके अलावा, सीएमआरएल ने फेज-2 के तीनों प्रमुख कॉरिडोर्स, कॉरिडोर-3 (माधवरम मिल्क कॉलोनी से सिरुसेरी-सिपकॉट), कॉरिडोर-4 (लाइटहाउस से पूनामल्ली डिपो), और कॉरिडोर-5 (माधवरम मिल्क कॉलोनी से शोलिंगनल्लूर) में 603 वॉटर पंप लगाए हैं। सीएमआरएलने यह भी स्पष्ट किया है कि उनकी फ्लड-रेस्पॉन्स टीमें चौबीसों घंटे सतर्क हैं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार हैं। ये टीमें ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन और अन्य स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि मेट्रो संचालन में कोई रुकावट न आए और आम जनता को परेशानी न उठानी पड़े।

राष्ट्रपति मुर्मू ने केरल राजभवन में के. आर. नारायणन की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को केरल राजभवन परिसर में पूर्व राष्ट्रपति के. आर. नारायणन की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

दलित समुदाय से आने वाले पहले भारतीय राष्ट्रपति के सम्मान में स्थापित की गई इस प्रतिमा का अनावरण पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की उपस्थिति में किया गया।

समारोह के बाद अपने संक्षिप्त संबोधन में राष्ट्रपति ने मानव और राष्ट्रीय विकास में नारायणन के योगदान को याद किया। नारायणन केरल से ताल्लुक रखते थे। मुर्मू ने कहा, ''अपने पूरे जीवन में नारायणन ने मानव और राष्ट्रीय विकास में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया।'' नारायणन 1997 से 2002 तक भारत के 10वें राष्ट्रपति रहे। नौ नवंबर 2005 को 85 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

OFFICE OF THE REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE, CHENNAI- 600 013
(An autonomous Organization under Ministry of AYUSH, Govt. of India)
No.1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai-600 013
(NABH & NABL accredited)

TENDER NOTICE

On behalf of the Director General, CCRUM, New Delhi, the Deputy Director, **RRIUM,** Chennai invites sealed Tender Quotations from reputed firms in two- bid system (Technical bid and Commercial bid) for the supply of Crude / Raw drugs and materials. The detailed list of raw drugs and materials and terms and conditions can either be downloaded from CCRUM website and CPPP & RRIUM Website or may be obtained from the Office of the Deputy Director, Regional Research Institute of Unani Medicine, No.1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai-600 013.

The last date for receipt of Tender/Quotations is **17th November 2025, 04.00p.m.**

For details, please visit CCRUM website **www.ccrum.res.in** or **www.rriumchennai.org**

आईएपीएच-जापानी प्रतिनिधिमंडल ने बंदरगाह आधुनिकीकरण और स्थिरता पर चेन्नई बंदरगाह के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जापान के अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह एवं बंदरगाह संघ (आईएपीएच) के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव मासाहिको फुरुइची के नेतृत्व में 22 और 23 अक्टूबर को एक सहयोगात्मक ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम के तहत चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण (सीएचपीए) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में योकोहामा, टोक्यो, ओसाका, कोबे, नागोया और तोमाकोमाई बंदरगाह प्राधिकरणों, जापान के विदेशी तटीय क्षेत्र विकास संस्थान (ओसीडीआई) और क्योटो एवं कानागावा विश्वविद्यालयों सहित प्रमुख जापानी बंदरगाहों और समुद्री संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल थे।

चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण में 23 अक्टूबर को आयोजित तकनीकी कार्यशाला में चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण, कामराजर बंदरगाह लिमिटेड और आईएपीएच के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सत्रों में बंदरगाहों में सुचारू और प्रभावी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), आंतरिक क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाना, कार्बन-मुक्ति, तटीय बिजली आपूर्ति और पर्यावरणीय स्थिरता, तथा सामुदायिक आउटरीच पहल जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष और कामराजर बंदरगाह लिमिटेड के अध्यक्ष आईएएस अधिकारी सुनील पालीवाल ने कहा कि समुद्री अमृत काल विजन 2047 के अंतर्गत संपर्क, बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण, सामुदायिक विकास और हरित विकास में प्रमुख पहलों के माध्यम से चेन्नई और कामराजर बंदरगाहों द्वारा की गई दीर्घकालिक भारत-जापान पहलों और समग्र और सतत प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने समुदाय के प्रति बंदरगाहों की प्रतिबद्धता और सतत सामुदायिक विकास में प्राप्त वैश्विक मान्यता पर भी प्रकाश डाला।

चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एस. विश्वनाथन ने वैश्विक उद्योग संपर्कों के महत्व के बारे में बात की और भारत समुद्री सप्ताह 2025 की ओर ध्यान आकर्षित किया, यह देखते हुए कि यह समुद्री क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के सार्थक अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जहाज के चालक दल की सुविधा के मानवीय पहलू पर भी प्रकाश डाला।

कामराजर पोर्ट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक जे.पी. आइरीन सिंथिया ने एलएनजी बंकरिंग, तटीय बिजली आपूर्ति, ग्रीन टग ट्रांज़िशन और कनेक्टिविटी बढ़ाने में केपीएल की चल रही पहलों पर जानकारी साझा की, जो स्थायी संचालन और क्षमता विस्तार के प्रति बंदरगाह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईएपीएच के महासचिव मासाहिको फुरुइची ने स्थायी आर्थिक विकास और वैश्विक सद्भाव प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईएपीएच के आदर्श वाक्य विश्व व्यापार के माध्यम से विश्व शांति, विश्व बंदरगाहों के माध्यम से विश्व व्यापार के बारे में भी जागरूकता फैलाई। आईएपीएच इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एनारासु करुनेसन ने स्थिरता और डीकार्बोनाइजेशन पर बात की, समुदाय-केंद्रित पहलों पर ज़ोर दिया और कोबे हाइड्रोजन स्मार्ट सिटी और भारत के समुद्री अमृत काल विज़न 2047 जैसी पहलों का हवाला दिया। इस यात्रा ने तकनीकी संवाद और बंदरगाह प्रबंधन एवं स्थिरता में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित होने का अवसर प्रदान किया। इसने सहयोग की भावना को मजबूत किया और बंदरगाह आधुनिकीकरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवीन दृष्टिकोणों की बेहतर समझ को बढ़ावा दिया।

छठ/दिवाली त्योहार विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार छठ/दिवाली त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन नंबर 06187/06188 पोदनूर - बरौनी - पोदनूर एक्सप्रेस स्पेशल चलाई जा रही है।

ट्रेन संख्या 06187 पोदनूर - बरौनी एक्सप्रेस स्पेशल शुक्रवार 24 अक्टूबर को 14.00 बजे पोदनूर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 20.00 बजे बरौनी पहुंचेगी (1 सेवा)।

वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06188 बरौनी-पोदनूर एक्सप्रेस स्पेशल 27 अक्टूबर, सोमवार को 21.00 बजे बरौनी से प्रस्थान करेगी और चौथे दिन 03.30 बजे पोदनूर पहुँचेगी। इस ट्रेन में 16 स्लीपर क्लास कोच, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 सामान सह ब्रेक वैन होंगे।

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेल: roc.cpace@mca.gov.in

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/1343 दिनांक : 14/10/2025

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (23) कंपनियों के नाम कर्नाटक राज्य से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AB6963190	U52399TN2022PTC150687	स्वैप ज़ोन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
2	AB7066821	U62013TN2025PTC180406	जित कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
3	AB6587853	U21003TN2025OPC176533	भारत हर्बल हेल्थ केयर (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
4	AB6762143	U66190TN2024PTC174760	क्रेडोशर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
5	AB6847457	U01500TN2024PTC175699	एलाइस्पेनु फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड
6	AB7073525	U62099TN2024PTC170981	अम्ब्रियाक्षी टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
7	AB6614432	U62099TN2024PTC169846	टेकज़ीलेंस प्राइवेट लिमिटेड
8	AB6770659	U82990TN2024OPC170077	ड्रूपफ्ल होम्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
9	AB7388940	U68200TN2024PTC170118	प्रणिपत डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
10	AB6448721	U62099TN2023PTC166113	विंड्ज वेब प्राइवेट लिमिटेड
11	AB6272205	U52290TN2023PTC165165	पोर्टप्रो लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
12	AB6560866	U62013TN2023FTC164371	थ्रेड रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
13	AB6367113	U85499TN2023PTC161724	रणिरंगन अकादमी प्राइवेट लिमिटेड
14	AB6551168	U37200TN2022PTC155298	एमडीके लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
15	AB6344854	U47990TN2023OPC159402	हेवनशी एंटरप्राइज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
16	AB6720961	U59111TN2023PTC160554	लोन स्टार प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
17	AB6408393	U51900TN2022PTC151656	विबगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड
18	AB6568686	U74999TN2022PTC154585	एक्सेपॉइंट टैलेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
19	AB6645758	U80904TN2022PTC153613	एज़ी फ्लोरिंग एंड टाइलिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
20	AB6438665	U74999TN2022OPC150225	क्रेडा कैपिटल एडवाइज़र्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
21	AB6669067	U24290TN2021OPC145798	कॉस्मांडल्स होम एंड पर्सनल केयर (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
22	AB7082011	U74999TN2021PTC140581	एएनपी आईटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
23	AB6808885	U52399TN2021OPC141121	एमिफाई (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
24	AB6236770	U72200TN2020PTC137236	डॉकफ्लो प्राइवेट लिमिटेड
25	AB7015514	U74999TN2020PTC137711	फिनसिग्निया बिज़नेस इंटेलिजेंस प्राइवेट लिमिटेड
26	AB7604388	U80904TN2019PTC131646	श्रद्धा टैलेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
27	AB7262619	U74995TN2018PTC123546	पिपाललीफ कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
28	AB6649148	U74999TN2017FTC117931	टेनपाओ इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
29	AB6721473	U19100TN2016PTC111633	वरी शूज़ प्राइवेट लिमिटेड
30	AB6426129	U45201TN2011PTC079311	श्री लोकाध्यक्षा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
31	AB6786775	U55204TN2008PTC068550	गोएंका ब्लॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
32	AB6466706	U01222TN1994PTC028368	सोमनाथन एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
33	AB6819802	U74999TN1984PLC010850	ए.वी. थॉमस एक्सपोर्ट्स लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

रौनक अग्रवाल
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0440/2526

सीएचपीए और आईएमडब्ल्यू का प्री इवेंट एमओयू पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी (सीएचपीए) ने 23 अक्टूबर को भारत समुद्री सप्ताह (आईएमडब्ल्यू) 2025 से पहले प्री-इवेंट एमओयू हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी की, जो 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय और भारतीय बंदरगाह संघ द्वारा आयोजित, भारत समुद्री सप्ताह 2025 देश का प्रमुख वैश्विक समुद्री आयोजन है। 100 से अधिक देशों, 1,00,000 प्रतिनिधियों और 500 प्रदर्शकों को एक साथ लाने वाला यह आयोजन □10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रवाह को गति प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य बंदरगाह आधुनिकीकरण, हरित शिपिंग, डिजिटल प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स और जहाज निर्माण करना है।

चेन्नई में आयोजित समारोह में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. वी. मालिनी शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील पालीवाल, आईएएस, अध्यक्ष, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण, कामराजर बंदरगाह लिमिटेड और भारतीय बंदरगाह संघ, तथा एस. विश्वनाथन, आईएएस, उपाध्यक्ष, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और प्रबंध निदेशक, मैरीटाइम इंडिया फाउंडेशन ने की। समारोह का समापन चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्यमों, शैक्षणिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं सहित विभिन्न साझेदार संगठनों के बीच समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साथ हुआ।

दुखद **दक्षिण भारत**

गुरुवार को सुबह कोयंबटूर के कुप्पेपालयम के पास भोजन की तलाश में बगीचे में गए एक नर जंगली हाथी की बिजली के खंभे से टकराने के बाद करंट लगने से मौत हो गई। हाथियों की इस तरह की मौत पर्यावरण के लिए बहुत घातक है।

एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना में पेट्रोल पंप कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जसवंतपुरा इलाके में आरएएस अधिकारी को थप्पड़ मारने की घटना के सिलसिले में पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार को उस समय हुई जब प्रतापगढ़ में उप-जिलाधिकारी के रूप में तैनात छोटू लाल शर्मा की पेट्रोल पंप के एक कर्मचारी के साथ बहस हो गई। यह पेट्रोल पंप सीएनजी भी बेचता है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के अधिकारी छोटू लाल शर्मा की कार से पहले एक अन्य कार में सीएनजी भरने को लेकर हुए विवाद के बाद यह बहस शुरू हुई। पुलिस के अनुसार शर्मा ने कर्मचारी द्वारा दूसरी कार में सीएनजी भरने पर आपत्ति जताते हुए तर्क दिया कि उनकी कार में पहले सीएनजी भरी जानी चाहिए क्योंकि वह पहले पहुंचे थे।

इस दौरान एक अन्य पेट्रोल पंप कर्मचारी ने बीच-बचाव किया लेकिन एसडीएम ने उसे थप्पड़ मार दिया। इसके बाद कर्मचारी ने भी पलटवार करते हुए एसडीएम को थप्पड़ मार दिया। यह पूरी घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बुधवार को इस झगड़े का वीडियो सामने आया। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों दीपक माली, प्रभु लाल कुमावत और राजा शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

जोधपुर में तीन साल की बच्ची का अपहरण करके उससे दुष्कर्म किया

जोधपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में जोधपुर जिले के बिलाड़ा में घर के बाहर खेल रही तीन साल की बच्ची का अपहरण करके उससे दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने बाजार बंद रखा। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति जो कथित तौर पर लड़की को मोटरसाइकिल पर ले गया था, वह बाद में उसे उसके घर के बाहर छोड़ कर भाग गया। पुलिस ने बताया कि बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उसके परिवार के सदस्य दौड़कर बाहर आए और उसे परेशान हालत में पाया। उसने बताया कि परिजन लड़की को अस्पताल ले गए, जहां गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जोधपुर शहर के एक अन्य अस्पताल में रेफर कर दिया। पुलिस ने भरतपुर जिले के 22 वर्षीय जेसीबी ऑपरेटर साजिद को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। बिलाड़ा क्षेत्राधिकारी पदमदान रत्नू ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने कस्बे का बाजार बंद कर दिया तथा अपराधी को कड़ी सजा देने की मांग की।

पिता की अंत्येष्टि के खर्च को लेकर विवाद में बड़े भाई की कुल्हाड़ी से हत्या

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में युवक ने अपने पिता के क्रिया कर्म के खर्च को लेकर हुए विवाद के बाद अपने बड़े भाई की कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बीजराड़ के थानाधिकारी मगाराम ने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात नवातला गांव में हुई जब गणेशा राम (35) और उसके छोटे भाई किशना राम (30) के बीच अपने पिता के अंतिम संस्कार पर खर्च हुए पैसों को लेकर तीखी बहस हुई। बहस बढ़ने पर किशना राम ने अपने बड़े भाई पर कुल्हाड़ी से हमला किया। उसने भाई के सिर के पिछले हिस्से पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। थानाधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक टीमों को मौके पर बुलाया गया है। पुलिस के अनुसार किसान गणेशाराम अपने छोटे भाई और बुजुर्ग मां के साथ रहता था। उसकी पत्नी का 2019 में निधन हो गया था और दंपति के कोई संतान नहीं थी। आरोपी का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग टीमें तैनात की गई हैं।

'विकसित राजस्थान' दस्तावेज में राज्य को 4,300 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने अपना 'विकसित राजस्थान2047' दृष्टिकोण पत्र जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुसार तैयार यह दस्तावेज राजस्थान का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार इस दस्तावेज (विजन डॉक्यूमेंट) का लक्ष्य राज्य को चार स्तंभों - कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा - पर आधारित 4,300 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। उनके इस लक्ष्य में अपना योगदान देने की दिशा में मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान2047 के संकल्प को लेकर काम कर रही है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। इसके अनुसार युवा, महिला, किसान और गरीब को केन्द्र में रखते हुए यह दस्तावेज विकसित भारत2047 की आकांक्षाओं के अनुरूप राजस्थान का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करेगा। राज्य मंत्रिमंडल की अगस्त महीने में हुई बैठक में इस दस्तावेज का अनुमोदन भी कर दिया गया है।

इस दस्तावेज में कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा को प्रमुख आधार बनाते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4,300 अरब डॉलर का बनाने की परिकल्पना की गई है। इस योजना के मुताबिक, प्रदेश में विकसित देशों की तर्ज पर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

इसके साथ ही, शत-प्रतिशत साक्षरता, सुलभ स्वास्थ्य, सतत जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं युवा व महिला सशक्तीकरण के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत राज्य सरकार ने वर्ष 2047 के दूरगामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए चरणबद्ध रूप से विकास की रूपरेखा बनाई है। इसके लिए वर्ष 2030, 2035 और 2040 के मध्यावधि लक्ष्य भी तय किए गए हैं। इस प्रकार विभिन्न चरणों में आकार लेते हुए राज्य के विकास की तस्वीर पूर्ण होगी। विकास के इस दस्तावेज को प्रमुख रूप से चार थीम और 13 क्षेत्रों में बांटा गया है। इसमें तय लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार की गई है। कार्ययोजना का वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार हर वर्ष आकलन किया जाएगा और सतत निगरानी एवं मूल्यांकन कर रूपरेखा तैयार की जाएगी। इससे हर विभाग की तय लक्ष्य के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित होगी और विकास कार्य निर्बाध रूप से पूरे हो सकेंगे।

पिता का वैक्स स्टेच्यू देखकर भावुक हुईं दीया कुमारी : नाहरगढ़ वैक्स म्यूज़ियम में प्रदर्शित हुई ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की प्रतिमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । नाहरगढ़ की ऊंची पहाड़ियों पर बसे जयपुर वैक्स म्यूज़ियम में गुरुवार का दिन भावनाओं से भरा हुआ था। मौका था महावीर चक्र से सम्मानित ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की जयंती का, और इस अवसर पर उनकी वैक्स प्रतिमा का लोकार्पण किया गया।कार्यक्रम में उनकी बेटी और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने अपने पिता की वैक्स मूर्ति का अनावरण किया। जैसे ही परदा हटाया गया, वहां मौजूद सभी लोगों ने तालियों से स्वागत किया, जबकि दीया कुमारी की आंखें नम हो उठीं। उन्होंने कहा यह मेरे लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण है। मेरे पिताजी केवल हमारे परिवार के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उनका यह वैक्स स्टेच्यू देखकर ऐसा लगा मानो वे मेरे सामने खड़े हैं। मैं जयपुर वैक्स म्यूज़ियम और उन सभी कारीगरों की आभारी हूं जिन्होंने इतनी सजीव प्रतिमा बनाई।

ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह न केवल जयपुर राजघराने के उत्तराधिकारी थे, बल्कि भारतीय सेना के एक बहादुर योद्धा भी थे। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में विशेष साहस का प्रदर्शन किया था, जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनका योगदान केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं था उन्होंने जयपुर की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाई।

बांसवाड़ा में मोटरसाइकिलों की टक्कर में तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में पिछली रात दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर हो जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार रात सदर थानाक्षेत्र के भगतपुरा गांव में हुई। सदर थाना प्रभारी बुधराम बिश्नोई ने बताया कि तेज गति से चल रही मोटरसाइकिलें आपस में भिड़ गईं। उन्होंने कहा, तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर में मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रमेश कटारा, खोमा चरपोटा और हारून के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों घायलों को पहले एमजी अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें उदयपुर पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

भजनलाल शर्मा ने पूर्व उपराष्ट्रपति शेखावत को श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत को श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने विद्याधर नगर स्थित स्मृति स्थल पहुंचकर पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत की जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में शर्मा ने कहा कि शेखावत ने राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत होकर देश व प्रदेश की मजबूती और जनसेवा के माध्यम से गरीब के उत्थान का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर राजस्थान में अंत्योदय योजना के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सहारा देकर आगे बढ़ाने का काम किया था। साथ ही, महात्मा गांधी एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को भी आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, सांसद मदन राठौड़ व मंजू शर्मा व विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति : बेढम

जयपुर। भाई दूज पर आयोजित ऐतिहासिक मेले में हुए शामिल, 'पसोपा से नगला ढूंढी' सड़क की दी महत्वपूर्ण सौगातपसोपा (डीग)। भाई दूज के पावन पर्व पर, नगर विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक गाँव पसोपा में आयोजित विशाल मंदिर मेले एवं सामाजिक कार्यक्रम में आज अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुँचे राजस्थान सरकार के गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के स्वागत में जनसमूह का उत्साह चरम पर था। मेला परिसर, आस-पास के भवन और छतें खचाखच भरी हुई थीं, जो मंत्री के प्रति जनता के गहरे स्नेह और जुड़ाव का प्रतीक बन गईं। जनता-जनार्दन के दर्शन कर हुए अभिभूत बेढ़म जब कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, तो जय राम और जवाहर सिंह बेढ़म जिंदाबाद के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। आयोजकों और गाँव के वरिष्ठ नागरिकों ने बेढ़म का माला पहनाकर और साफा बांधकर गर्मजोशी से स्वागत किया। मंच से विशाल जनसमूह को निहारते हुए बेढ़म ने हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने इस अपार स्नेह को 'जनता-जनार्दन का आशीर्वाद' बताते हुए कहा कि यह दृश्य उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे अमूल्य धरोहर है।

हजारों की संख्या में मौजूद जनसमूह, विशेषकर रंग-बिरंगे परिधानों में बैठी मातृशक्ति को संबोधित करते हुए बेढ़म ने अत्यंत भावपूर्ण लहजे में कहा, आज इस पवित्र मंच से मैं अपने पिता तुल्य बुजुर्गों, ऊर्जावान नौजवान साथियों और सती-सावित्री जैसी मेरी माताओं-बहनों को प्रणाम करता हूँ। उन्होंने कहा कि वह यहाँ एक मंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे और भाई के तौर पर इस पवित्र उत्सव में शामिल होने और आप सभी का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने कहा, आपका यह विश्वास और स्नेह ही मुझे चौबीसों घंटे आपकी सेवा में जुटे रहने की असीम ऊर्जा प्रदान करता है। बेढ़म ने कहा कि वे केवल उत्सव में शामिल होने नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास का संकल्प पूरा करने भी आए हैं। उन्होंने जनसमूह की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए 'पसोपा से नगला ढूंढी' तक की सड़क के डामरीकरण को मंजूरी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ कर दिया जाएगा, जिससे दर्जनों गाँवों के लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि ये मेले हमारी प्राचीन संस्कृति और धार्मिक आस्था के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, इन मेलों से हमारा सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है और आपसी भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इन आस्था के केंद्रों का विकास और संरक्षण करना उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के विकास में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। बेढ़म ने अपने संबोधन में सभी क्षेत्रवासियों को पंच दिवसीय दीपोत्सव और विशेष रूप से भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक 'भाई दूज' पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने सभी के सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए इस स्नेह और आशीर्वाद को सदैव बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम का समापन एक भव्य और अविस्मरणीय पल बन गया, जब हजारों लोगों ने एक स्वर में मंत्री बेढ़म के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया।

राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास की विभिन्न योजनाओं में लगतार बेहतरीन प्रदर्शन किया : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राजस्थान महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास की विभिन्न योजनाओं में लगतार बेहतरीन प्रदर्शन किया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में

नम्बर वन और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में भी नम्बर वन रहने के बाद और राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के चौथे स्थान के पिछले प्रदर्शन को और बेहतर प्रदर्शन करते हुए इस बार (17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025) राष्ट्रीय पोषण माह 2025 में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) को बधाई दी है। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभावी रणनीति, जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों, तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की निष्ठा व समर्पण का परिणाम है। महेन्द्र सोनी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रवार रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान ने इस माह के लिए निर्धारित 81,01,730 लक्ष्यों के मुकाबले 88,93,346 उपलब्धियाँ दर्ज की हैं, जिससे राज्य की कुल उपलब्धि दर 114.12 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से राजस्थान ने अपने 41 जिलों और 62,321 आंगनबाड़ी केंद्रों के सहयोग से पोषण माह को एक जनआंदोलन के रूप में सफल बनाया है। राष्ट्रीय स्तर पर गुजरात 115.74 प्रतिशत के साथ प्रथम, राजस्थान 114.12 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा छत्तीसगढ़ 108.30 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर है। निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने यह संकल्प दोहराया कि आने वाले महीनों में भी पोषण से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा ताकि राजस्थान कुपोषण मुक्त राज्य बनकर देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर सके। पोषण माह 2025 के दौरान राजस्थान के विभिन्न जिलों में जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, गृह भ्रमण, पौष्टिक आहार वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श, और सुपोषित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने हेतु अनेक अभिनव गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

राष्ट्र के लिए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के मंदिरों में ही संभव है : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बालोतरा जिले के सिणधरी स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर में आज नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संतो के सानिध्य में बड़े धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, उद्योग राज्य मंत्री के.के. बिश्नोई, एवं विधायक हमीर सिंह भायल उपस्थित रहे।

समारोह में भामाशाह समन्द्र सिंह नौसर सहित संस्थान को सहयोग देने वाले अन्य भामाशाहों को श्रीराम चित्र और श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राष्ट्र के लिए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के मंदिरों में ही संभव है। उन्होंने राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों को लेकर विस्तार से चर्चा की और कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को संस्कारों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना का केंद्र हैं। कार्यक्रम में संत-महात्माओं ने भी आशीर्वचन दिए और विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, सेवा और संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी।

वेदांता समूह ओडिशा में एक लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करेगा

भुवनेश्वर/भाषा। वेदांता समूह ओडिशा में एक लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करेगा, जिससे एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी की योजना के तहत क्योंझर में 2,000 करोड़ रुपए की लागत से एक लौह-मिश्रधातु (फेरो-अलॉय) संयंत्र लगाया जाएगा। इसके अलावा झारसुगुड़ा में एक नया एल्युमिनियम पार्क और राज्य सरकार द्वारा तय की गई जगह पर एक और एल्युमिनियम पार्क स्थापित किया जाएगा। यह निवेश प्रस्ताव वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से मुलाकात के दौरान राज्य सरकार के समक्ष रखा। कंपनी पहले ही ओडिशा में लगभग एक लाख करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से 'एक्स' पर पोस्ट में कहा गया, ''वेदांता समूह ओडिशा में करीब एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा, जिससे एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर बनेंगे।'' मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह भी बताया कि राज्य सरकार इन परियोजनाओं के लिए पूरी सहायता देगी, जिसमें भूमि उपलब्ध कराना और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं।

विपक्षी महागठबंधन एक 'विभाजित कुनबा', क्या तेजस्वी विपक्ष के नेता भी बन पाएंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में विपक्षी महागठबंधन को एक 'विभाजित कुनबा' करार देते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से कहा कि उसे इस बात की चिंता करनी चाहिए कि राज्य विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद के उसके चेहरे के रूप में नामित तेजस्वी यादव नतीजों की घोषणा के बाद विपक्ष के नेता भी बन पाएंगे या नहीं।

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत का भरोसा जताते हुए भाजपा ने दावा किया कि महागठबंधन ने राजद नेता तेजस्वी और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को मजबूरी के चलते चुनाव से पहले क्रमश: मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राजद ने पटना में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में लगाए गए पोस्टर में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जगह तेजस्वी का चेहरा प्रदर्शित कर पार्टी को उसकी औकात दिखा दी है। इस संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने दिल्ली में 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह (महागठबंधन) एक विभाजित कुनबा है। इसलिए वे (बृहस्पतिवार को पटना में आयोजित) संवाददाता सम्मेलन में एकता का संदेश देने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, आपको एकता का संदेश देने की जरूरत नहीं होती। ऐसा संदेश आपके स्वभाव, हाव-भाव, आचरण, प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास से खुद-ब-खुद जाहिर हो जाता है। इस्लाम ने कहा कि हालांकि, लोग समझते हैं कि यह विपक्षी खेमे के भीतर मौजूद मतभेदों को छिपाने का प्रयास है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने (महागठबंधन ने) तेजस्वी यादव को मजबूरी में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। उन्होंने सहनी को भी मजबूरी में उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। जिन लोगों ने आज ये घोषणाएं की हैं, उन्हें इस बात की चिंता करनी चाहिए कि वह (तेजस्वी) बिहार चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद विपक्ष के नेता भी बन पाएंगे या नहीं। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने भी विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि तेजस्वी एक हारे हुए सिपाही हैं और राज्य विधानसभा चुनावों में एक बार फिर उनकी शिकस्त तय है। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर तेजस्वी के नाम की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर त्यागी ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, उनके (तेजस्वी के) नेतृत्व में कई चुनाव लड़े गए हैं। वह एक हारे हुए सिपाही हैं। और इस लड़ाई में भी उनकी हार तय है।

नीतीश का तेजस्वी पर कटाक्ष: बिहार के लोग जानतें हैं कि किसने किया असली काम

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और उन पर ''खोखले वादों'' से महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। कुमार ने कहा कि बिहार के लोग जानते हैं कि उनके लिए किसने असली काम किया है। उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी का नाम लिए बगैर सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट में कहा, ''बिहार की जनता ने उन्हें मौका दिया था, लेकिन उन्होंने जनता की सेवा करने के बजाय सत्ता का उपयोग अपने निजी हितों के लिए किया।''

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब एक दिन पहले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने अनुबंधित कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने और जीविका स्व-सहायता समूहों से जुड़ी करीब दो लाख ''कम्युनिटी मोबिलाइज़र'' महिलाओं का मासिक मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने का वादा किया था। नीतीश कुमार ने कहा, ''कुछ लोग चुनाव के ठीक पहले खुद को 'जीविका दीदियों' और बिहार की आधी आबादी का मसीहा बताने की कोशिश कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि 'जीविका दीदियों' के नाम पर वे अपने परिवार की रोजी-रोटी तलाश रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये लोग आधी आबादी के लिए चांद-तारे तोड़ लाने जैसे वादे कर रहे हैं। बिहार की जनता ने इन्हें पहले भी मौका दिया था, लेकिन तब इनका ध्यान जनता की सेवा से अधिक व्यक्तिगत लाभ पर था।''

दो पक्षों में गोलीबारी और पथराव, 25 लोग गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले के सरधना क्षेत्र में कथित तौर पर आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच पथराव और गोलीबारी हुई। पुलिस ने इस मामले में दोनों पखों के कुल 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि सरधना थाना क्षेत्र के कालन्दी गांव में बुधवार को दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हो गया, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। सूत्रों के अनुसार दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गोलियां चलायीं और पथराव किया।

सूत्रों के मुताबिक एक पक्ष के नितिन ने गांव के ही धीरेन्द्र समेत 13 लोगों पर लाठी-डंडे, धारदार हथियार और असलहों से हमला करने तथा गोलियां चलाकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। दूसरे पक्ष के धीरेन्द्र ने भी नितिन समेत 17 लोगों के खिलाफ गोलियां चलाने और पथराव करने की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज किये हैं। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (मेरठ) के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी सरधना के पर्यवेक्षण में तीन पुलिस टीम का गठन किया गया जिन्होंने वीडियो फुटेज और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से तीन कारें, तीन लाइसेंसी बंदूकें, एक अवैध तमंचा और दर्जनों कारतूस बरामद किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में लाइसेंसी हथियारों का प्रयोग किया गया है, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश को कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आवाज उठानी चाहिए : निषाद

बरेली (उप्र)/भाषा। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को श्रीकृष्ण का वंशज बताने वाले यादव को मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आवाज भी उठानी चाहिए। निषाद ने यहां प्रेसवार्ता में सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव कृष्ण का वंशज होने का दावा करते हैं तो फिर उन्हें मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए भी आवाज उठानी चाहिये। उन्होंने उनपर कटाक्ष करते हुए कहा,''अगर अखिलेश यादव अपनी ही परंपरा की रक्षा नहीं कर सकते, तो दूसरों की क्या करेंगे?''

निषाद ने अखिलेश यादव के 'दीये जलाने' वाले बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि प्रजापति वर्ग के जो लोग का दीया बनाते हैं, वही इस देश की सभ्यता के असली रक्षक हैं और उन्हीं के रोजगार पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष के जीत के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा,''हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ हैं। भगवान राम और निषादराज की मित्रता हमारी विचारधारा की जड़ है। हम राजग के साथ हैं और रहेंगे।'' निषाद ने सपा और बसपा पर भी निशाना साधते हुए कहा- ''चार बार सरकारें बनीं, लेकिन पिछड़ों के नाम पर सिर्फ राजनीति हुई। न शिक्षा आयोग बना, न कोई ठोस कदम उठा। राजग की डबल इंजन सरकार ने पहली बार सबके विकास की दिशा तय की है।''

तेजस्वी के वादे अव्यावहारिक, नौकरी के बहाने जमीन छीनने की साजिश : रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के चुनावी वादों को अव्यावहारिक करार दिया और दावा किया कि राजद लोगों को सरकारी नौकरी देने के बहाने उनकी जमीन छीनने की साजिश रच रहा है। उन्होंने यह टिप्पणी राजद शासनकाल के दौरान कथित 'भूमि के बदले नौकरी' घोटाले की ओर इशारा करते हुए की।

भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा, तेजस्वी यादव ने राज्य के 2.6 करोड़ परिवारों में से प्रत्येक में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इसके लिए लगभग 12 लाख करोड़ रुपए की जरूरत होगी, जबकि बिहार का कुल बजट करीब तीन लाख करोड़ रुपए है। ऐसे में वे यह वादा कैसे पूरा करेंगे?

संविदाकर्मियों और जीविका दीदियों सहित सामुदायिक कर्मियों को नियमित करने के तेजस्वी के वादे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रसाद ने कहा, जीविका दीदी योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच का परिणाम है। इस योजना से अब तक लगभग 1.21 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। अब तेजस्वी यादव उसी योजना का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद मतदाताओं को गुमराह करने के लिए झूठे वादे कर रही है। प्रसाद ने कहा, बिहार की जनता उस दल पर भरोसा नहीं करेगी जिसका अतीत भ्रष्टाचार और कुशासन से भरा हुआ है।

तेजस्वी यादव द्वारा एनडीए पर दृष्टिहीनता के आरोप का जवाब देते हुए प्रसाद ने कहा, राजग सरकार के विकास कार्य सबको दिख रहे हैं। हमारा संगठन मजबूत और जमीनी है। नीतीश कुमार सुशासन में सक्षम हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी डबल इंजन सरकार पर जनता को भरोसा है। भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा कि राजद शासनकाल डर, लूट और भ्रष्टाचार से भरा था, जिससे उसे 'जंगलराज' की संज्ञा मिली। प्रसाद ने तंज कसते हुए कहा, तेजस्वी कहते हैं कि उन्होंने सरकार में रहते हुए बहुत काम किया। उन्हें बताना चाहिए कि उस वक्त मुख्यमंत्री कौन थे? वे केवल खोखले वादे करते हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) काम करने वाला गठबंधन है।

बाबूलाल मरांडी ने 'पाकिस्तान से हथियारों के आयात' की उच्च स्तरीय जांच कराने का आग्रह किया

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य और देश के अन्य हिस्सों में कुख्यात अपराधियों द्वारा ''पाकिस्तान से हथियारों के आयात'' की उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का आग्रह किया।

पुलिस ने बुधवार को रांची में एक महिला समेत पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया और उनके पास से पाकिस्तान निर्मित तीन पिस्तौल जब्त की गईं। मरांडी ने एक बयान में कहा, ये हथियार पंजाब के मोगा के रास्ते भारत लाए जा रहे हैं और रांची तथा देश के कई हिस्सों में व्यापारियों को धमकाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यह एक खुफिया विफलता है।

पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा ने बुधवार को बताया था कि गिरफ्तार बदमाशों ने खुलासा किया है कि हथियार और गोला-बारूद पाकिस्तान से ड्रोन के ज़रिए पंजाब के रास्ते लाए जा रहे। राणा ने कहा था, वे इन हथियारों का इस्तेमाल रांची समेत देश भर के व्यापारियों में दहशत फैलाने और उनसे जबरन वसूली करने के लिए कर रहे थे।

लालू यादव ने सहयोगी दलों पर दबाव डालकर बेटे को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनवाया : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद ने दबाव डालकर अपने बेटे तेजस्वी यादव को महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करवाया।

भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौधरी ने कहा कि आज लोकतंत्र और बिहार को शर्मसार करने वाला दिन है। उन्होंने आरोप लगाया, लालू यादव ने जैसे 15 साल तक बिहार में राज किया, वैसे ही अब अपने गठबंधन में गुंडागर्दी कर सभी सहयोगी दलों पर दबाव बनाकर अपने बेटे को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कराया है। चौधरी ने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में बिहार को लूट, हत्या और भ्रष्टाचार का इनाम मिला और अब पंजीकृत अपराधी का बेटा मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहा है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और महागठबंधन के अन्य दलों ने लालू यादव जैसे भ्रष्ट नेता के पुत्र का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, जिस व्यक्ति ने 950 करोड़ रुपए के चारा घोटाले में भ्रष्टाचार किया, उसी के बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया गया है। तेजस्वी यादव के चुनावी वादों को अव्यावहारिक बताते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा, वह 2.70 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देने की बात करते हैं। जबकि राज्य में फिलहाल करीब 22 लाख सरकारी कर्मचारी हैं, जिन पर 85 हजार करोड़ रुपए का व्यय होता है। अगर तेजस्वी यादव का वादा पूरा किया जाए, तो 12 लाख करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी, जबकि बिहार का कुल बजट सिर्फ 3.17 लाख करोड़ रुपए है।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने से भी जनता 'इंडि' गठबंधन की ओर नहीं झुकेगी : प्रशांत

सिवान/भाषा। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने से बिहार की जनता का रुझान विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के पक्ष में नहीं बदलेगा। किशोर ने यहां अपनी पार्टी के लिए प्रचार के दौरान संवाददाताओं से कहा कि तेजस्वी यादव द्वारा अनुबंधित कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने और मानदेय बढ़ाने जैसे किये गये वादे ''खोखले'' हैं। उन्होंने कहा, ''यह तो पहले से ही सबको मालूम था कि अगर (राजद अध्यक्ष) लालू जी का जंगलराज बिहार में लौटेगा तो तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए इस घोषणा में कोई बड़ी बात नहीं है।''

किशोर ने उस घोषणा पर भी व्यंग्य किया जिसमें कहा गया कि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख और अतिपिछड़ा वर्ग से आने वाले पूर्व मंत्री मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने प्रेसवार्ता में कहा था कि बिहार की सामाजिक संरचना को ध्यान में रखते हुए 'इंडि' गठबंधन की सरकार बनने पर सहनी समेत समाज के विभिन्न वर्गों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

भाजपा राज में सामंतवादी ताकतों के हौसले बढ़े, दलितों पर बढ़ रहा अत्याचार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में सामंतवादी ताकतों का मनोबल बढ़ा हुआ है और दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं।

यादव ने यहां एक बयान में कहा कि रायबरेली में एक दलित नौजवान की पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी जबकि लखनऊ के काकोरी में दलित समाज के बुजुर्ग पर पेशाब करने का आरोप लगाकर उसे जबरन चटवाने जैसी अपमानजनक घटना हुई। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ बानगी हैं, उत्तर प्रदेश में हर दिन ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो रही है तथा पुलिस-प्रशासन ऐसी घटनाओं पर मूकदर्शक बना रहता है। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार में दलितों पर अन्याय और अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस सरकार में सामंती ताकतों का मनोबल बढ़ा हुआ है। अपराधियों और सामंतवादियों को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। सत्ता समर्थक पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों) को तरह-तरह से अपमानित कर रहे हैं। भाजपा सरकार पीडीए की नौकरी, आरक्षण और हक छीन रही है।'' यादव ने सत्ता के दबाव में पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई नहीं करने का दावा करते हुए कहा कि इस सरकार का अहंकार चरम पर है, वह सत्ता का दुरुपयोग कर रही है तथा पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए समाज भाजपा और उसकी सरकार के अन्याय, अत्याचार को देख रहा है एवं जनता एकजुट होकर 2027 में भाजपा सरकार को हटाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जायेगी तभी दलितों, पिछड़ों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों को न्याय मिलेगा, तभी भेदभाव खत्म होगा और नौकरी, आरक्षण मिलेगा।

प्रधानमंत्री आसियान सम्मेलन के लिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से सामना न हो : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मलेशिया नहीं जा रहे हैं क्योंकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सामना नहीं करना चाहते। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह कटाक्ष भी किया कि प्रधानमंत्री शायद बॉलीवुड के मशहूर गाने ''बच के रहना रे बाबा'' को याद कर रहे होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह मलेशिया में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे।

मोदी ने फोन पर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को यह सूचना दी। दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) की बैठकें 26 से 28 अक्टूबर को होनी है।

मलेशिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ आसियान समूह के वार्ता साझेदार कई देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है। ट्रंप 26 अक्टूबर को दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर जाएंगे।

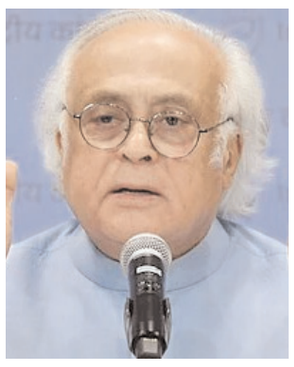

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पिछले कई दिनों से अटकलें थीं कि प्रधानमंत्री मोदी कुआलालंपुर सम्मेलन में जाएंगे या नहीं? अब यह तय हो गया है कि प्रधानमंत्री वहां नहीं जाएंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है कि कई विश्व नेताओं से गले मिलने, फ़ोटो खिंचवाने और ख़ुद को विश्वगुरु बताने के कई मौक़े हाथ से निकल गए।

रमेश ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के वहां नहीं जाने की वजह साफ़ है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने नहीं आना चाहते, जो वहां मौजूद होंगे। उन्होंने कुछ हफ़्ते पहले मिस्र में गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण भी इसी वजह से ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ़ में संदेश पोस्ट करना एक बात है, लेकिन उस व्यक्ति के साथ आमने-सामने होना दूसरी बात है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर रोकने का दावा 53 बार किया है और पांच बार यह कहा है कि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना बंद करने का वादा किया है... यह उनके लिए काफ़ी जोखिम भरा है। रमेश ने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री शायद अब उस पुराने हिट बॉलीवुड गाने को याद कर रहे होंगे: बच के रहना रे बाबा, बच के रहना रे।''

सीधे खड़े होकर खेलने से उन्हें विभिन्न प्रारूपों और परिस्थितियों में ढलने में मदद मिलती है : श्रेयस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडीलेड/भाषा। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि सीधे खड़े होकर बल्लेबाजी करने से उन्हें आत्मविश्वास और निरंतरता हासिल करने में मदद मिल रही है जिससे वह अलग अलग हालात के मुताबिक खुद को बेहतर ढाल पा रहे हैं ।

ऑस्ट्रेलिया के हाथों दूसरे वनडे में भारत की दो विकेट से हार के बाद अय्यर ने कहा कि वह पिछले एक साल से अपनी तकनीक पर काफी काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा ,'' हाल ही में जो तकनीक मैं अपना रहा हूं, वह ऐसी नहीं है जिसे मैंने अचानक बदला हो। पिछले एक साल से मैं सीधा खड़ा रहना चाहता था, खासकर उन विकेटों पर जहाँ उछाल उम्मीद से थोड़ा ज्यादा होता है।'' अय्यर ने कहा ,'' मैंने अपने कोच के साथ इस पर काम किया और यह मुझे काफी रास आ रही है । मैं अपने शुरुआती दिनों में इसी तरह से खेलता था तो अपनी पुरानी तकनीक पर ही लौटा हूं ।'' उन्होंने कहा कि हालात के अनुरूप अपने 'स्टांस' को बदलना उनके खेल का अहम हिस्सा हो गया है । उन्होंने कहा ,'' मुंबई में जब हम लाल मिट्टी की पिचों पर खेलते थे जिन पर अतिरिक्त उछाल होता है, वहां भी इससे मदद मिलती थी । हर पिच अलग होती है तो नई नई चीजें आजमानी पड़ती है । मैने अपना स्टांस कई बार बदलाव है और अब मैं किसी भी हालात में खेल सकता हूं ।'' रोहित शर्मा के साथ 118 रन की साझेदारी करने वाले श्रेयस ने कहा कि फोकस चुनौतीपूर्ण विकेट पर लय बनाये रखने की थी क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज काफी अनुशासित गेंदबाजी कर रहे थे । उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में बल्लेबाजी आसान हो गई थी लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य का बखूबी पीछा किया।

रेल पटरी पर आईईडी विस्फोट से ट्रेन सेवाएं बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोकराझार (असम)/भाषा। असम के कोकराझार जिले में बृहस्पतिवार तड़के अज्ञात बदमाशों द्वारा रेलवे पटरी पर 'परिष्कृत विस्फोटक उपकरण' (आईईडी) से विस्फोट किए जाने के बाद लोअर असम और उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों में रेल सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट देर रात कोकराझार रेलवे स्टेशन से सालाकाटी की ओर जाने वाले मार्ग पर, स्टेशन से लगभग पांच किलोमीटर दूर हुआ। उन्होंने बताया, इस धमाके से रेल की पटरी का करीब तीन फुट हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और टूटे हुए पटरी के टुकड़े कई मीटर दूर तक बिखर गए। कोकराझार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पुष्पराज सिंह ने पुष्टि की कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और न ही कोई ट्रेन पटरी से उतरी है। एसएसपी ने बताया, पटरी का जो हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था उसकी तुरंत मरम्मत की गई और अब रेलगाड़ियों का परिचालन बहाल कर दिया गया है। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, रात भर ट्रेन संचालन निलंबित रहा। इस वजह से लोअर असम और उत्तरी पश्चिम बंगाल में सुबह करीब आठ बजे तक कई 'अप' और 'डाउन' रेलगाड़ियां प्रभावित रहीं।

रेलवे और सुरक्षा कर्मियों ने प्रभावित क्षेत्र का पूरी तरह से निरीक्षण कर सेवाओं को पूरी तरह से बहाल किया। अधिकारियों ने फिलहाल मार्ग पर सुरक्षा कड़ी कर दी है और विस्फोट में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है।

सुविचार

**सोच बदलो, दुनिया बदलेगी,
नकारात्मकता को दूर भगाओ।
हंसो, गाओ, जीवन को जीओ,
नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ो।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महागठबंधन के सामने कितनी चुनौतियां?

महागठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव को अपना उम्मीदवार घोषित कर ही दिया। हालांकि यह कोई अप्रत्याशित फैसला नहीं था। इस राज्य में कांग्रेस का मजबूत जनाधार नहीं है। वाम दलों की स्थिति उससे भी कमजोर है। विकासशील इन्सान पार्टी को दूसरे दलों के सहारे की दरकार है। बच गया राजद, तो उसके पास तेजस्वी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। तेज प्रताप यादव खुद की पार्टी बनाकर अपनी ढफली पर अपना राग गा रहे हैं। तेजस्वी के चेहरे के साथ विधानसभा चुनाव लड़ रहे महागठबंधन के लिए कुछ फायदे हैं, तो कई चुनौतियां भी हैं। चुनावों में नए और युवा चेहरे को लेकर एक आकर्षण होता है। तेजस्वी को मैदान में लाकर महागठबंधन ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि हम युवाओं को आगे बढ़ाना चाहते हैं। लालू यादव के ये बेटे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर भले ही नए हों, लेकिन राजनीति में नए नहीं हैं। ये वर्ष 2010 से राजद के लिए खुलकर प्रचार कर रहे हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। तेजस्वी यादव अपने भाषणों में राजद के परंपरागत वोटबैंक को साधने पर खासा जोर देते हैं। ऐसे कई इलाके हैं, जहां महागठबंधन को लालू यादव की राजनीतिक विरासत का फायदा मिल सकता है। वहीं, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जद (यू) के वर्षों से सरकार चलाने के कारण सत्ताविरोधी लहर होना स्वाभाविक है। तेजस्वी इसका फायदा उठाने की कोशिश भी कर रहे हैं। उनके समर्थक उन्हें भावी मुख्यमंत्री के रूप में देखने लगे हैं। कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ गया है।

तेजस्वी यादव बिहार के लोगों की ज़िंदगी में बदलाव लाने के लिए चाहे जितने बड़े वादे करें, वे राजद शासन के अनुभवों से पीछा नहीं छुड़ा सकते। मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग उस दौर को देख चुका है, जब राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो गई थी। आम जनता लूट, हत्या, अपहरण, डकैती, रंगदारी से त्रस्त थी। उद्योगों ने बिहार छोड़कर अन्य राज्यों की राह पकड़ ली थी। आम लोगों के पलायन का सिलसिला आज तक जारी है। बिहार में कई मतदाता इसलिए भी राजद के खिलाफ वोट देते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि नब्बे के दशक का वही 'जंगल राज' लौट आए। लालू यादव के परिवार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। चारा घोटाले ने लालू यादव की राजनीतिक छवि को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब आईआरसीटीसी मामले में तेजस्वी यादव लपेटे में आ चुके हैं। इससे उनके विरोधियों को मौका मिल गया है। जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर उनकी शैक्षणिक योग्यता पर निशाना साधते रहते हैं। तेजस्वी हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का ऐसा वादा कर चुके हैं, जो राज्य की आर्थिक स्थिति के बूते से बाहर है। उन्होंने सभी संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने और जीविका दीदियों का वेतन 30 हजार रुपए प्रतिमाह करने की बात कहकर उम्मीदें जरूर जगा दी हैं, लेकिन इतना बजट कहां से आएगा, इसका उनके पास कोई जवाब नहीं है। किसी भी राजनीतिक गठबंधन में दलों और नेताओं की महत्वाकांक्षाएं होती हैं। महागठबंधन में ऐसे कई नेता हैं, जो शिक्षा और अनुभव के मामले में तेजस्वी से बहुत आगे हैं। क्या वे उनका नेतृत्व स्वीकार करेंगे? यह एक बड़ा सवाल है। भाजपा और जन सुराज के नेता राजद के पिछले वादों की स्थिति और रिकॉर्ड को मुद्दा बनाकर खूब शब्दबाण छोड़ रहे हैं। तेजस्वी उनसे कितने सुरक्षित रह पाएंगे और उनका रथ तमाम बाधाओं को पार करेगा या बीच रास्ते में ही थम जाएगा – यह तो वक्त ही बताएगा। इतना तय है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में योद्धाओं के तरकश से ऐसे तीर निकलेंगे, जो पहले कम ही नजर आए थे।

ट्वीटर टॉक

महावीर चक्र से अलंकृत परम पूज्य पिताजी स्वर्गीय ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह जी की जयंती के अवसर पर नाहरगढ़ स्थित जयपुर वैक्स म्यूज़ियम में उनकी मोम से बनी प्रतिमा का अनावरण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

–दिया कुमारी

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के पुरोधा प्रो. एकनाथ वसंत चिटनिस के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने देश के पहले रॉकेट प्रक्षेपण से लेकर इसरो की नींव रखने तक अमूल्य योगदान दिया। अंतरिक्ष क्षेत्र में देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

–अशोक गहलोत

दिल्ली प्रस्थान से पूर्व जोधपुर एयरपोर्ट पर जालोर विधायक एवं राज्य सरकार के मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग से आत्मीय मुलाकात हुई। संयोगवश आज उनका जन्मदिवस भी है, जिसकी उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। जोधपुर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली भी साथ रहे।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

निःस्वार्थ पूजा

कौरवों से जुए में अपना सब कुछ हारकर पांडव दर-दर की ठोकरें खा रहे थे। ऐसे में भी पांडव अपना धर्म-कर्म नहीं भूलते थे। एक दिन, जब युधिष्ठिर पूजा करके उठे, तो द्रौपदी उनके पास आईं और कहने लगीं'महाराज, आप इतना भजन-पूजन करते हो, भगवान के निकट भी समझे जाते हो। आप भगवान से यह क्यों नहीं कहते कि वे हमारे संकट दूर कर दें?' युधिष्ठिर सहजता से बोले'सुनो द्रौपदी, मैं परमात्मा का भजन किसी सौदे के लिए नहीं करता। बल्कि यह भजन-पूजन तो मैं मन की शांति और आत्मिक आनंद के लिए करता हूं।

प्रकृति ने ये वन, पर्वत और नदियां बनाई हैं। हम इन्हें देखकर आनंदित होते हैं। ये जो कुछ भी देती हैं, वे स्वयं प्रदान करती हैं। इसी प्रकार, भगवान के भजन करके मैं स्वयं आनंदित होता हूं और उस समय उत्पन्न हुई प्रसन्नता ही मुझे परिस्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदान करती है। यदि मैं अपने पूजा-पाठ के बदले भगवान से कुछ मांगूंगा, तो यह मेरी श्रद्धा नहीं, बल्कि भगवान से सौदेबाजी होगी।'

सामयिक

'संयुक्त राष्ट्र दिवस' पर विशेष

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने मानवता को यह सिखाया कि शक्ति, युद्ध और साम्राज्य विस्तार के रास्ते अंततः विनाश की ओर ही ले जाते हैं। इसी अनुभव से जन्म हुआ संयुक्त राष्ट्र संघ का, जिसने 24 अक्तूबर 1945 को यह संकल्प लिया कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की त्रासदी से बचाया जाए और विश्व में स्थायी शांति, सुरक्षा, विकास और सहयोग की नींव रखी जाए। लगभग अस्सी वर्षों के इस लंबे सफर में संयुक्त राष्ट्र ने विश्व राजनीति, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन जैसे अनगिनत क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। किंतु आज जब दुनिया फिर से विभाजन, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या संयुक्त राष्ट्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना इसे 1945 में बनाया गया था।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने विश्व के लगभग सभी देशों को एक साझा मंच प्रदान किया। यह मंच संवाद, सहयोग और मध्यस्थता के जरिये संघर्षों का समाधान खोजने का अवसर देता है। महासभा में सभी देशों को समान मताधिकार प्राप्त है, जबकि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा की देखरेख करती है। इसी संस्था के माध्यम से विश्व के अनेक हिस्सों में शांति स्थापना बल भेजे गए हैं, जिन्होंने युद्ध-विराम लागू करवाने और मानवीय सहायता पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोरिया, कांगो, लेबनान, कंबोडिया, सूडान, सोमालिया, अफगानिस्तान, सीरिया और हाल के वर्षों में यूक्रेन व गाज़ा जैसे क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र की उपस्थिति किसी न किसी रूप में शांति और राहत की किरण लेकर पहुँची। मानवाधिकारों की रक्षा में भी संयुक्त राष्ट्र ने विश्व के नैतिक विवेक की तरह कार्य किया है। 1948 की मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा आज भी हर देश की संविधानिक संरचना और कानूनों को दिशा देती है। स्त्री अधिकार, बाल अधिकार, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, शरणार्थियों के संरक्षण और जातीय हिंसा पर अंकुश जैसे अनेक मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र ने ठोस नीतिगत और मानवीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

सतत विकास की दिशा में 2015 में घोषित सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स यानी सतत विकास लक्ष्य, संयुक्त राष्ट्र की एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, असमानता, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी वैश्विक समस्याओं का समाधान करना है। इन लक्ष्यों ने विकास को केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित न रखकर उसे मानवीय और पर्यावरणीय संतुलन से जोड़ा।

कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तथा अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने वैश्विक समन्वय, वैक्सीन वितरण और आपात राहत कार्यों में जो भूमिका निभाई, वह भी इस संगठन की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। इसी तरह जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों ने कार्बन उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में वैश्विक प्रतिबद्धता को बल दिया है। फिर भी, इन उपलब्धियों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र आज एक गहन संकट से गुजर रहा है।

सबसे बड़ा प्रश्न इसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया की निष्पक्षता से जुड़ा है। सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य-अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन-वीटो शक्ति के माध्यम से किसी भी प्रस्ताव को रोक सकते हैं, चाहे उसके पक्ष में बहुमत ही क्यों न हो। इससे लोकतांत्रिक भावना को ठेस पहुँचती है और यह प्रतीत होता है कि संयुक्त राष्ट्र पर कुछ शक्तिशाली देशों का नियंत्रण है। उदाहरण के लिए, यूक्रेन या गाज़ा संकट में कई बार वैश्विक बहुमत होने के बावजूद एक वीटो ने मानवीय प्रस्तावों को ठुकरा दिया। यह असमानता संगठन की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

इसके अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र को वित्तीय संकट का भी सामना है। अनेक सदस्य देश समय पर अपने अंशदान नहीं देते, जिससे शांति अभियानों और मानवीय परियोजनाओं पर असर पड़ता है। कई बार संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों और मिशनों पर राजनीतिक प्रभाव का आरोप भी लगाया जाता है, जिससे उसकी निष्पक्ष छवि पर प्रश्न उठते हैं। आज की दुनिया में एक और चुनौती उभर रही है-बढ़ती ध्रुवीकृत राजनीति और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा। अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व का अस्थिर परिदृश्य और वैश्विक दक्षिण के देशों की आवाज़ को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलना-ये सब दर्शाते हैं कि बहुपक्षीय सहयोग की भावना कमजोर हो रही है। तकनीकी असमानता, डेटा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिकता और डिजिटल दासता जैसे नए मुद्दे भी संयुक्त राष्ट्र के सामने जटिल प्रश्न बनकर उभरे हैं।

संयुक्त राष्ट्र को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा आरंभ की गई यूएन80 पहल इसी दिशा में एक प्रयास है, जिसमें संगठन को आधुनिक, तकनीकी रूप से सक्षम और वित्तीय दृष्टि से स्वावलंबी बनाने की बात कही गई है। साथ ही, जी4 देशों-भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी-द्वारा सुरक्षा परिषद में विस्तार की माँग यह दर्शाती है कि विश्व अब एक नई प्रतिनिधित्व व्यवस्था चाहता है, जहाँ वैश्विक दक्षिण की आवाज़ भी निर्णायक हो।

भारत के दृष्टिकोण से संयुक्त राष्ट्र अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने न केवल शांति स्थापना अभियानों में सबसे अधिक सैनिक भेजे हैं, बल्कि मानवीय सहायता, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सतत विकास के अभियानों में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत का यह आग्रह कि सुरक्षा परिषद का स्वरूप वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे, पूर्णतः न्यायसंगत है। भारत का उदय एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में संयुक्त राष्ट्र को भी एक संतुलित दिशा प्रदान कर सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि आज भी किसी बड़े संकट के समय विश्व की निगाहें उसी की ओर उठती हैं। चाहे युद्ध हो या महामारी, पर्यावरणीय आपदा हो या मानवीय संकट-संयुक्त राष्ट्र ही वह मंच है जहाँ सहमति की संभावना शेष रहती है। यह संस्था केवल सरकारों का समूह नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की अभिव्यक्ति है, जो हर राष्ट्र, हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी है। फिर भी, इस संगठन को अपने अस्तित्व और प्रभाव को बनाए रखने के लिए आत्मसुधार की राह पर चलना ही होगा। उसे वीटो की असमानता समाप्त कर अधिक लोकतांत्रिक और प्रतिनिधिक ढाँचा अपनाना होगा। वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक दक्षता और निर्णय प्रक्रिया में समानता लाने के बिना यह संस्था केवल प्रतीकात्मक रह जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने बीते अस्सी वर्षों में मानव सभ्यता को कई बार विनाश के कगार से बचाया है, परंतु 21वीं सदी की चुनौतियाँ कहीं अधिक जटिल हैं-जलवायु संकट, वैश्विक महामारी, आर्थिक विषमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिकता और अंतरिक्ष व साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दे अब राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। इनका समाधान केवल संयुक्त प्रयासों से ही संभव है, और यही वह बिंदु है जहाँ संयुक्त राष्ट्र की वास्तविक प्रासंगिकता निहित है। यदि यह संस्था अपने मूल उद्देश्य-विश्व शांति, मानव गरिमा और सामूहिक विकास-के प्रति फिर से प्रतिबद्ध हो सके, तो वह आने वाली सदी में भी मानवता की आशा बनी रह सकती है। संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता उसके भवनों, प्रस्तावों या सम्मेलनों में नहीं, बल्कि उस भावना में है जो कहती है-हम सब एक हैं, और हमारी सुरक्षा, हमारी शांति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। यही भावना इसे आज भी अपरिहार्य बनाती है, और यही इसे भविष्य में भी मानवता का सबसे सशक्त नैतिक मंच बनाए रखेगी।

नजरिया

बिहार चुनाव : मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के ष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फोटो सेशन

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और नौसेना प्रमुख (सीएनएस) एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी अन्य लोगों के साथ।

प्रिंस एंड्रयू से जुड़ा विवाद शाही परिवार के लिए कितना नुकसानदायक?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न। ब्रिटेन के राजकुमार एंड्रयू का विवादों से पुराना नाता रहा है। वर्जीनिया गुइफ्रे की किताब 'नोबडीज गर्ल' में एंड्रयू के खिलाफ लगाए गए ताजा आरोपों और मीडिया में आई उन खबरों के बाद ब्रिटिश राजकुमार की मुश्किलें और बढ़ गई हैं कि वह और उनकी पत्नी सारा बाल यौन शोषण के मामले में दोषी ठहराए गए जेफरी एपस्टीन के लगातार संपर्क में थे।

गुइफ्रे ने इस साल की शुरुआत में खुदकुशी कर ली थी। उन्होंने एंड्रयू पर आरोप लगाया था कि वह जब 17 साल की थीं, जब ब्रिटिश राजकुमार ने तीन मौकों पर उनका यौन उत्पीड़न किया था। हालांकि, एंड्रयू ने इन आरोपों को लगातार खारिज किया है। बहरहाल, एंड्रयू के बड़े भाई महाराजा चार्ल्स ने मामले में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए अपने भाई को आदेश दिया कि वह अपनी सभी शाही उपाधियां त्याग दें। यह पहली बार नहीं है, जब ब्रिटेन के शाही परिवार ने विवादों से घिरे किसी सदस्य के खिलाफ इतना कठोर कदम उठाया हो।

इतिहास गवाह है कि जब भी कोई विवाद सामने आता है, तो शाही परिवार का पूरा जोर शर्मिंदगी से बचने और संबंधित सदस्यों को मीडिया की नजरों से ओझल करने के उपायों पर केंद्रित हो जाता है। हालांकि, मशहूर हस्तियों के निजी जीवन, करियर और सार्वजनिक उपस्थिति की रिपोर्टिंग पर केंद्रित सेलेब्रिटी पत्रकारिता के दौर में यह काफी मुश्किल है।

जब जॉर्ज पंचम (1910 से 1936 तक ब्रिटेन के महाराजा) के बेटे प्रिंस जॉन के मिर्गी से पीड़ित होने की बात पता चली थी, तो उन्हें सावधानीपूर्वक लोगों की नजरों से ओझल कर दिया गया और यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी उनके संपर्क में रहने की अनुमति नहीं दी गई। जॉन की 14 साल की उम्र में मौत हो गई और तब तक वह सुर्खियों से पूरी तरह से गायब हो चुके थे।

टेलीविजन पर प्रसारित एक वृत्तचित्र से हुआ यह खुलासा और भी दुखद था कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के दो चचेरे भाई मानसिक रूप से विक्षिप्त थे और शाही परिवार ने उन्हें लोगों की नजरों से दूर रखने के लिए महल की चारदीवारी में कैद रखा था। हालांकि, शाही घराने ने इन दावों का पुरजोर खंडन किया है।

बहरहाल, एडवर्ड अष्टम के शाही गद्दी छोड़ने, राजकुमारी मार्गरेट को पीटर टाउनसेंड से शादी रचाने की अनुमति न दिए जाने और प्रिंस हैरी के ब्रिटेन छोड़ कैलिफोर्निया में बसने जैसे विवादों के सामने ये उदाहरण कोई मायने नहीं रखते।

उक्त सभी विवाद बेमेल शादी के इर्द-गिर्द केंद्रित थे : एडवर्ड ने उस समय सिंहासन त्याग दिया, जब उन्हें तलाकशुदा वॉलिस सिंपसन से शादी करने से रोका गया; मार्गरेट को न चाहते हुए भी टोनी आर्मस्ट्रांग-जोंस के साथ विवाह के बंधन में बंधना पड़ा और बाद में उनका तलाक भी हो गया; हैरी का ब्रिटेन छोड़ना भी अभिनय और मॉडलिंग की दुनिया से जुड़ी मेघन मार्कल से उनकी शादी का प्रत्यक्ष परिणाम था।

हालांकि, एडवर्ड को जहां सिंहासन पर रहते हुए एक तलाकशुदा महिला से शादी रचाने की अनुमति नहीं दी गई, वहीं चार्ल्स ने शाही गद्दी के उत्तराधिकार की कतार में पहले पायदान पर होने के बावजूद राजकुमारी डायना को तलाक दे दिया और एक कार हादसे में उनकी मौत के बाद कैमिला से ब्याह रचा लिया। कैमिला जिन्हें लंबे समय तक दूसरी महिला के रूप में तिरस्कृत किया गया, समय बीतने के साथ व्यापक रूप से स्वीकार्य रानी बन गईं।

पिछली एक शताब्दी में ब्रिटिश शाही घराने में शायद ही कोई ऐसा राजकुमार मिलेगा, जिसका आचरण एंड्रयू की तरह स्पष्ट रूप से निंदनीय और संभवतः आपराधिक है। ऐसे में यह बात अपने आप में परेशान करने वाली है कि एंड्रयू मुकदमे से बच निकले, जबकि उन्होंने खुद को लगातार बेकसूर बताने के बीच गुइफ्रे से भारी-भरकम राशि में समझौता किया था।

हैरी की तरह ही एंड्रयू को भी केवल संसद में पारित कानून के जरिये उत्तराधिकार की कतार से हटाया जा सकता है, लेकिन वह सिंहासन हासिल करने की पंक्ति में आठवें पायदान पर हैं। महाराजा चार्ल्स ने फैसला लिया है कि एंड्रयू अब अपने अन्य भाई-बहनों, ऐनी और एडवर्ड के विपरीत आधिकारिक शाही परिवार का हिस्सा नहीं होंगे।

एकता कपूर के शो में नजर आएंगे बिल गेट्स, 'तुलसी' से करेंगे गंभीर मुद्दे पर चर्चा

नई दिल्ली/एजेन्सी

स्मृति ईरानी का पॉपुलर टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' फैंस के बीच एक बार फिर फेमस हो गया है। सीरियल टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइन्ट) की टॉप फाइव की रेस में शामिल हो गया है। अब शो में एक इंटरनेशनल मेहमान की एंट्री होने वाली है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर पहले ही बज बन चुका है।शो में गुरुवार को अरबपति बिल गेटस तुलसी विरानी का किरदार निभा रहीं स्मृति ईरानी से खास बातचीत करने के लिए आ रहे हैं। स्टार प्लस ने सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' का नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें तुलसी लैपटॉप पर बिजनेसमैन बिल गेटस का स्वागत कर रही हैं और बिल गेटस भी तुलसी विरानी से हिंदी में बात कर रहे हैं। नए प्रोमो के मुताबिक गुरुवार की रात के एपिसोड में बिल गेटस का कैमियो रखा गया है। वे कुछ देर के लिए शो से जुड़ेंगे और बच्चे के स्वास्थ्य के मुद्दे पर बात करेंगे। प्रोमो को शेयर कर जानकारी दी गई कि एपिसोड में आज नया सेहत का, संवेदना का और बदलाव का रिश्ता जुड़ने वाला है, जिसमें हर मां और हर बच्चा सुरक्षित रहे, इस गंभीर मुद्दे पर बात होगी।

बिल गेटस की 'बिल एंड मेलिंडा गेटस फाउंडेशन' गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैलाती है। इसी उद्देश्य को पूरा करते हुए बिल गेटस और तुलसी विरानी चर्चा करने वाले हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब एकता कपूर के शो में किसी इंटरनेशनल पर्सनैलिटी को देखा गया। प्रोमो सामने आने के बाद एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, पहली बार भारतीय टेलीविजन पर बिल गेटस का शो देखने को मिल रहा है, बहुत बढ़िया तुलसी जीआप तो अनुपमा से भी आगे निकल गईं। एक अन्य यूजर ने लिखा, जय श्री कृष्णा बोलते हुए बिल गेटस कितने प्यारे लग रहे हैं।

चीन की सत्तारूढ़ पार्टी ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व को सराहा

बीजिंग/भाषा। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की एक अहम इकाई ने बृहस्पतिवार को अपनी चार दिवसीय बैठक के समापन पर पार्टी और सेना के प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति शी चिनफिंग के ''महत्वपूर्ण'' नेतृत्व की पुष्टि की। बैठक में बड़े पैमाने पर शीर्ष सैन्य अधिकारियों को निष्कासित किए जाने का भी समर्थन किया गया। इसके साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ज्यादा शुल्क लगाने और उसके परिणामस्वरूप वैश्विक व्यापार पर उत्पन्न तनाव के प्रभाव को दूर करने के लिए अधिक लचीले घरेलू बाजार के निर्माण एवं अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक नई 5-वर्षीय योजना का भी समर्थन किया गया। सोमवार से बृहस्पतिवार तक आयोजित अधिवेशन में पार्टी और देश से शी के पीछे एकजुट होने का आह्वान किया गया। इस शक्तिशाली निकाय 'प्लेनम' के 370 सदस्य हैं। शी (72) का यह तीसरा कार्यकाल है। बैठक के अंत में जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''इस सत्र में पार्टी, सेना और सभी जातीय समूहों के चीनी लोगों से शी चिनफिंग को केंद्र में रखकर पार्टी केंद्रीय समिति के इर्द-गिर्द और अधिक एकजुट होने का आह्वान किया गया।'' बयान में कहा गया कि अधिवेशन में चीनी सेना के दूसरे नंबर के जनरल ही वेइदोंग के साथ ही आठ अन्य शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने को भी मंजूरी दी गई, जिन्हें भ्रष्टाचार, अनुशासन के उल्लंघन और कदाचारों के लिए सेना और पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

चित्रांगदा सिंह की तबीयत बिगड़ी, पोस्ट शेयर कर बताया, 'जल्द ही दौड़ने लगूंगी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की तबीयत ठीक नहीं है। उन्होंने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की है। सोशल मीडिया पर लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अस्पताल के बिस्तर से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस फोटो में चित्रांगदा बिस्तर पर लेटी हैं और उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जल्द ही खरगोश की तरह दौड़ने लगूंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अस्पताल में भर्ती होने का कारण नहीं बताया। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर छाई है। इसे देखने के बाद फैंस चित्रांगदा के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

फिल्मों की बात करें तो चित्रांगदा सिंह को पिछली बार 'हाउसफुल 5' में देखा गया था।

इसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप जैसे कलाकार हैं।

फिल्म में वह विलेन के रोल में दिखाई दी थीं। उनकी एक्टिंग को बहुत ही सराहा गया था। यह फिल्म हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म थी, जिसके दो भाग रिलीज किए गए थे। दोनों का क्लाइमैक्स अलग था।

चित्रांगदा सिंह बहुत जल्द सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आएंगी। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें भारत-चीन संघर्ष की कहानी दिखाई जा सकती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने एक इंटरव्यू में कहा था, यह बहादुरी और साहस की कहानी है। एक सैनिक परिवार से होने के नाते मुझे याद है कि इस घटना के बारे में हमारे लोगों में बात की जाती थी। इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही निजी अहसास है। चित्रांगदा ने कहा था कि यह फिल्म भूले-बिसरे और कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर करेगी। इसके जरिए फिल्म निर्माता उन कहानियों और नायकों का सम्मान करने जा रहे हैं। इसका हिस्सा बनकर वह बहुत खुश हैं। लद्दाख में इस फिल्म की शूटिंग कुछ दिनों पहले हुई थी। इस फिल्म का मुंबई शिड्यूल जल्द शुरू होगा।

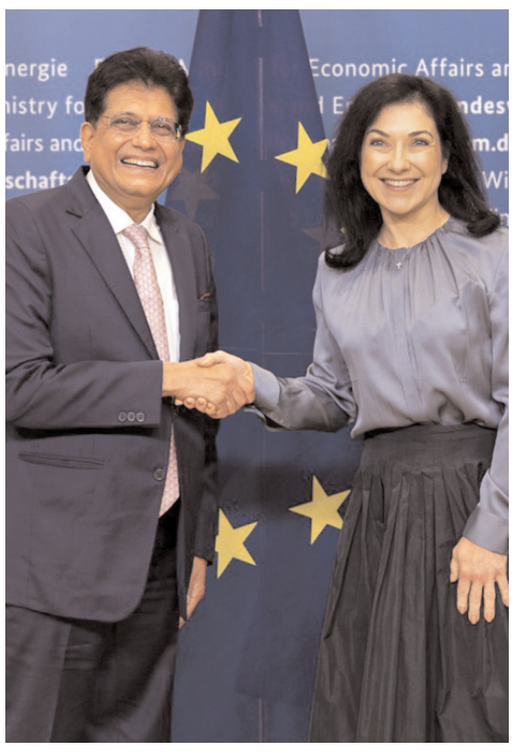

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जर्मन संघीय आर्थिक मंत्री के साथ बर्लिन, जर्मनी में एक बैठक के दौरान ऊर्जा एवं मानव संसाधन मंत्री कैथरीना रीचे।

ताज होटल के अधिकारियों ने योरस्टोरी की फाउंडर का किया अपमान, बैठने का सीखा रहे थे सलीका

नई दिल्ली/एजेन्सी

योरस्टोरी की फाउंडर और सीईओ श्रद्धा शर्मा ने ताज होटल के अधिकारियों पर उनके फाइन डाइनिंग रेस्टोरेंट हाउस ऑफ मिंग में पद्मासन में बैठने पर उन्हें अपमानित करने के आरोप लगाए हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में एक वीडियो के साथ जानकारी देते हुए शर्मा ने बताया कि उनके साथ यह वाक्या तब घटा जब वे दिवाली के दौरान अपनी बहन के साथ हाउस ऑफ मिंग में डिनर करने गई थीं। उन्होंने बताया कि वे वहां पद्मासन की मुद्रा में बैठीं थी और अचानक मैनेजर ने उन्हें उनके बैठने के तरीके को लेकर फटकार लगा दी। उन्हें ठीक से बैठने की हिदायत दी गई क्योंकि वहां मौजूद दूसरे गेस्ट को शर्मा के इस तरह बैठने के तरीके से परेशानी हो रही थी। शर्मा ने एक्स पर लिखा, एक साधारण व्यक्ति, जो कड़ी मेहनत से अपनी कमाई करता है और अपनी गरिमा के साथ ताज होटल में आता है उसे आज भी, इस देश में जलील और अपमानित होना पड़ता है। मेरा गलती क्या है? बस इतनी कि मैं रेगुलर पद्मासन में बैठ गई? क्या

यह मेरी गलती है कि ताज मुझे सीखा रहा है कि कैसे बैठना चाहिए और क्या करना चाहिए?

इतना ही नहीं, मैनेजर ने उनके कपड़ों पारंपरिक सलवार कमीज और फुटवियर कोल्हापुरी चप्पल के चुनाव को लेकर भी उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कड़ी मेहनत की और पैसे कमाकर फाइन डाइनिंग में जगह ली, लेकिन होटल समृद्धि, संस्कृति और क्लास से भरा हुआ है। मैनेजर ने उनसे कहा कि यह फाइन डाइनिंग है और यहां बहुत से अमीर लोग आते हैं। इसलिए, आपको सही तरीके से बैठना चाहिए। मैनेजर ने उन्हें क्लोज्ड शू पहनने की हिदायत तक दे डाली। इस पर नाराज शर्मा ने कहा, मैं कोल्हापुरी चप्पल पहनती हूँ, वो मैंने अपनी मेहनत से खरीदा है और यहां आई हूं। लेकिन यहां आकर स्टाफ का ये कहना कि आप पैर नीचे कर बैठो पूरी तरह से गलत है।

उन्होंने कहा कि वह उद्योगपति रतन टाटा का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन इस घटना ने उन्हें ताज से निराश कर दिया। रतन टाटा को लेकर उन्होंने बताया कि वे शर्मा की कंपनी में निवेशक भी रह चुके थे। ताज ने अभी तक इन आरोपों का जवाब नहीं दिया है, लेकिन इस पोस्ट पर शर्मा के सपोर्ट और होटल समूह की आलोचना करते हुए कई कमेंट्स आ रहे हैं। एक एक्स हैंडल यूजर ने लिखा, बोल देना चाहिए कि जिस गेस्ट को प्रॉब्लम हो वह आकर मिले। उससे भी ज्यादा ठीक रहता कि आप वहां से खड़े होकर बाहर निकल जाते, हम पैसा देकर जाते है, हम कस्टमर हैं और वो हमारा अपमान करने आएं तो क्यों सहन करना है? वो हमसे हैं, हम उनसे नही। उन्हें जरूरत नही लगती तो हमे बाहर निकल जाना चाहिए।

'होमबाउंड' फिल्म के ऑस्कर में पहुंचने से विश्व पटल पर उभरा उत्तर प्रदेश का बस्ती जिला

बस्ती/भाषा

नीरज घायवान की फिल्म 'होमबाउंड' ने उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के रहने वाले मोहम्मद सय्यूब और अमृत कुमार की दिल को झकझोर देने वाली कहानी को विश्व पटल पर पहुंच दिया जबकि कुमार के गांव के लोग अभी भी इस फिल्म को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'होमबाउंड' का प्रीमियर मई में कान फिल्म महोत्सव में हुआ था और इस फिल्म को 2026 के अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चुना गया है। पत्रकार बशारत पीर के 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के लेख 'टेकिंग अमृत होम' से प्रेरित है। यह फिल्म पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस लेख में बस्ती के देवरी गांव के एक प्रवासी मजदूर अमृत कुमार की सच्ची कहानी बताई गई है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान सूरत से घर लौटते समय एक राजमार्ग पर लू लगने से गिर पड़ा था और उनके दोस्त मोहम्मद सय्यूब ने उनका साथ छोड़ने से इनकार कर दिया था। इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में खूब प्रशंसा मिली है लेकिन हैरानी की बात यह है कि देवरी के निवासियों ने अब तक यह फिल्म नहीं देखी है।

सबसे नजदीकी सिनेमा हॉल लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जहां तक जाने का खर्च बहुत कम ग्रामीण उठा सकते हैं। बहुत से लोगों को यह भी पता नहीं है कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म थिएटर में दिखाई भी जा रही है या नहीं।

सय्यूब के पिता मोहम्मद यूनुस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि निर्माता गांव में फिल्म की स्क्रीनिंग का प्रबंध करेंगे। उन्होंने कहा, कहानी हमारे बेटे के जीवन पर आधारित है। फिल्म निर्माताओं को यहां स्क्रीनिंग का प्रबंध करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे परिवार को इस सफलता का हिस्सा मिले।

फिल्म की शूटिंग के दौरान फोटोग्राफी में मदद करने वाले स्थानीय निवासी पिंटू ने यूनुस की बात से सहमति जताते हुए कहा, हमें गर्व है कि सय्यूब और अमृत की दोस्ती पर आधारित फिल्म ऑस्कर तक पहुंची है। लेकिन हमें उम्मीद है कि इस फिल्म से होने वाली कमाई का कुछ हिस्सा अमृत के परिवार और हमारे गांव के विकास को भी मिलेगा। गांव के प्रतिनिधि सुरेंद्र पटेल ने कहा कि देवरी के लोगों को गर्व है कि उनके बेटों की कहानी ने गांव का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। उन्होंने कहा, फिल्म की कमाई से अमृत के परिवार को मदद मिलेगी और हमारे गांव का विकास होगा। यहां एक ऐसा केंद्र भी होना चाहिए जो इस तरह के साहित्य और मानवता को प्रेरित करने वाली कहानियों को बढ़ावा दे। अमृत का परिवार इस पहचान से खुश हैं लेकिन उन्हें उम्मीद है कि फिल्म की सफलता बच्चों की शिक्षा व भविष्य के लिए धन जुटाने में मदद करेगी। अमृत के परिवार में उसके माता-पिता रामचरण व सुभावती, छोटा भाई शिवम और बहनें सुमन व शिवानी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें आई थीं कि 'होमबाउंड' की टीम ने कहानी के अधिकार के लिए अमृत के परिवार को 10,000 रुपये दिए थे। घायवान ने इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि यह रकम महज एक छोटी सी 'टोकन मनी' थी, जो उन्होंने अमृत के पिता रामचरण को दी थी। उन्होंने कहा, आप में से कुछ लोगों ने उन खबरों पर चिंता व्यक्त की, जिनमें दावा किया गया था कि जिस परिवार के जीवन ने 'होमबाउंड' को प्रेरित किया, उसे मात्र 10,000 रुपये दिए गए। यह बेहद कम राशि है।

घायवान ने इस महीने की शुरुआत में 'एक्स' पर लिखा था, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह राशि एक छोटी सी 'टोकन मनी' थी, जो मैंने कई साल पहले अपने शुरुआती शोध के दौरान राम चरण जी (अमृत के पिता) को दी थी, बस एक विदाई के तौर पर। कृपया इसे दी गयी पूरी राशि के रूप में न समझें। उन्होंने बताया कि परिवार ने उन्हें मिले समर्थन पर अपनी खुशी जाहिर की है। ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर अभिनीत 'होमबाउंड' का विश्व प्रीमियर 78वें कान फिल्म महोत्सव में 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी के हिस्से के रूप में हुआ था। फिल्म की कहानी उत्तर भारत के एक छोटे से गांव के दो बचपन के दोस्त शोएब और चंदन की है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन जैसे-जैसे वे अपने सपने के करीब पहुंचते हैं, बढ़ती हताशा उनकी दोस्ती के आड़े आती है, जो उन्हें एक साथ बांधे रखती है। 'होमबाउंड' के कार्यकारी निर्माता हॉलीवुड के दिग्गज मार्टिन स्कॉर्सेसी हैं।

दुलकर सलमान की फिल्म 'कांथा' 14 नवंबर को होगी रिलीज़

नयी दिल्ली/भाषा

मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता दुलकर सलमान अभिनीत फिल्म कांथा14 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अपनी द हंट फॉर वीरप्पन के लिए प्रसिद्ध सेल्वमणि सेल्वराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण सलमान के 'वेफेअरर फिलम्स'और राणा दग्गुबाती के 'स्पिरिट मीडिया' द्वारा किया गया है। फिल्म में सलमान के साथ भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी पिल्लैयार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म की रिलीज होने की तारीख की घोषणा 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से की। पोस्ट में लिखा गया, दीवाली अब और भी धमाकेदार होने वाली है!...'कांथा' 14 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में रोशनी बिखेरेगी! आप सभी को दीवाली की शुभकामनाएं और हम जल्द ही सिनेमाघरों में मिलेंगे।'' निर्माताओं के अनुसार, कांथाकी कहानी 1950 के मद्रास पर आधारित है और एक फिल्म निर्माता के इर्द-गिर्द घूमती है। जब वह अपनी नयी फिल्म के निर्माण को लेकर अपने चहेते फिल्म स्टार के साथ रचनात्मक मतभेदों का सामना करता है और उनकी जटिल दोस्ती की परीक्षा होती है। फिल्म में झानू चंथार ने संगीत दिया है और साईकृष्णा गडवाल तथा सुजाई जेम्स इसके कार्यकारी निर्माता हैं। इससे पहले यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली थी।

बिगड़ना या सुधारना संगति से ज़्यादा खुद पर निर्भर होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने गुरुवार को अपने प्रेरणादायी प्रवचन में जीवन और रिश्तों के गहरे अर्थ पर प्रकाश डाला। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में बिगड़ना या सुधारना यह संगति से अधिक स्वयं पर निर्भर करता है। मुनिश्री ने बताया कि ज़िंदगी और रिश्ते कैसे जीने चाहिए, यह इतिहास के कुछ चरित्र हमें सदा के लिए सिखा जाते हैं। दुनिया में सबसे लाजवाब रिश्ता अगर कोई है तो वह भाई-भाई का रिश्ता है, और सबसे ख़तरनाक रिश्ता भी वही है। दुनिया आज भी भाई-भाई के प्रेम को भी याद रखती है और उनकी दुश्मनी को भी नहीं भूलती। पीढ़ियाँ बीत जाती हैं, लेकिन भाई-भाई के प्यार और द्वेष की मिसालें अमर रहती हैं।

मुनिश्री ने कहा कि श्रीराम के नाम के साथ कभी महाराजा नहीं जुड़ा, क्योंकि जब भी लोग उनका नाम लेते हैं तो कहते हैं राम-लक्ष्मण। वहीं उनके भाई भरत को दुनिया ने राजा भरत कहा। उन्हें राजा उनके पिता दशरथ या राम ने नहीं बनाया, बल्कि उनके त्याग और विनम्रता ने उन्हें महाराजा बना दिया। जब भरत ने कहा कि 'मैं इस सिंहासन का अधिकारी नहीं', तब उन्होंने दिखाया कि जो कार्यभार संभालने योग्य होता है वही सच्चा राजा होता है।

मुनिश्री ने कहा कि जो भाई की ज़िंदगी बिगाड़े, वही शूर्पणखा कहलाती है, जिसने रावण को बिगाड़ने में हाथ था। जीवन का सार यही है कि जो मिला है, उसे संभालो, वही सफलता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को विश्व शांति की नहीं, घर की शांति की ज़रूरत है, हर घर में शांति हो, यही असली सुख है। मुनिश्री ने कहा कि जो मिला है, उसे सहेज लो, वही जीवन की सफलता है। उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि वे अपने भीतर झाँकें, संगति को दोष देने से पहले स्वयं को सुधारने का प्रयास करें। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

सेंट थॉमस माउंट और ताम्बरम रेलवे स्टेशनों पर हुआ 'अमृत संवाद'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक सहभागिता को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 23 अक्टूबर को सेंट थॉमस माउंट और तांबरम रेलवे स्टेशनों पर अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। 'अमृत संवाद' पहल रेलवे अधिकारियों और यात्रियों के बीच सीधी बातचीत का एक मंच प्रदान करती है। इसका मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर फीडबैक प्राप्त करना, यात्रियों की अपेक्षाओं को समझना और उनके बहुमूल्य सुझावों को स्टेशन सुधार योजनाओं में शामिल करना है।

सेंट थॉमस माउंट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने इस संवादात्मक सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और चेन्नई मंडल द्वारा हाल ही में किए गए बुनियादी ढाँचे के विकास की सराहना की। उन्होंने उन्नत सुविधाओं की सराहना की, जिनमें एक विस्तृत परिभ्रमण क्षेत्र, अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, आधुनिक टिकट काउंटर, उन्नत शौचालय, बेहतर साइनेज, उन्नत पार्किंग सुविधाएँ, नए प्लेटफ़ॉर्म, मेट्रो और उपनगरीय सेवाओं के साथ बेहतर कनेक्टिविटी, नए स्थापित एस्केलेटर और बेहतर प्रकाश व्यवस्था शामिल हैं। बातचीत के दौरान, यात्रियों ने विशेष रूप से व्यस्त समय के दौरान सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त लिफ्ट और टिकट काउंटर की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। क्रोमपेट स्थित रेल उपयोगकर्ता मंच के अध्यक्ष संथानम ने इस बात की सराहना की कि चेन्नई मंडल द्वारा लोक शिकायत प्रकोष्ठ के माध्यम से दर्ज शिकायतों का शीघ्रता से समाधान किया गया, जो उत्तरदायी और यात्री-केंद्रित सेवा प्रदान करने के प्रति मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तांबरम रेलवे स्टेशन पर, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक अंकुर चौहान ने तांबरम-चेंगलपट्टू खंड के बीच नव स्वीकृत चौथी लाइन परियोजना पर प्रकाश डाला, जिसका निर्माण □ 757.18 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जाएगा। उन्होंने यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए नौ लिफ्ट और दस एस्केलेटर लगाने की योजना का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का काम अच्छी तरह से चल रहा है और यात्रियों की सुगम आवाजाही और स्टेशन की क्षमता में सुधार के लिए प्लेटफार्म 7 और 8 को चौड़ा किया गया है। बातचीत के दौरान, यात्रियों ने हाल ही में हुए बुनियादी ढाँचे में सुधारों की सराहना की और स्टेशन की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया देते हुए, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री अंकुर चौहान ने आश्वासन दिया कि सभी सुझावों की सावधानीपूर्वक जाँच की जाएगी और जहाँ भी संभव होगा, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर दक्षिण रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रजत द्वारा कच्ची बस्तियों में मिठाई का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) की अनुकम्पा टीम 2025-26 द्वारा दिपावाली के उपलक्ष में सेवा बस्ती कोलतुर, पुलियांतोप के वंचित समुदाय के लोगों को मिठाइयों का वितरण अनुकंपा कोचेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, विनोद जैन, सुमेर बैद, अय्यपन, विपीन, भरत, दीपेश बैद और स्टाफ मोहन द्वारा किया गया। रजत के अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में प्रायोजक सुभाषचंद रांका, रमेश खटोड़, सुमेर बैद, एफ. अजीतकुमार चोरडिया के सहयोग से करीब 600 लोगों को मिठाइयां बांटी गयी।

गाय को आवारा छोड़ना हमारा धर्म नहीं : राष्ट्रसंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गाय माता को पशु कहना अथवा आवारा कहकर बुलाना, लावारिस छोड़ देना ,उसे अनदेखा करना मतलब हम साक्षात 33 करोड़ देवी और देवताओं का अपमान कर रहे है।

गुरुवार को श्रीकमल मुनि कमलेश ने गोवर्धन पूजा पर धर्म सभा को संबोधित करते कहा उन्होंने कहा कि जन्म देने वाली मां एक दिन का बच्चा छोड़कर दुनिया से चली जाती है। ऐसी स्थिति में उसको बादाम और काजू भी नहीं खिलाया जा सकता केवल दूध के द्वारा ही उसका पालन पोषण होता है। इसलिए जन्म देने वाली मां से भी गौ माता सबसे महान है गाय पूरे विश्व की माता है। उन्होंने कहा कि जब गाय का दूध सभी पीते है तब इंसान उसके साथ हिंदू और मुस्लिम जैसा भेदभाव का नजरिया क्यों रखता है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर अन्य धर्मो के लोगों ने गौशाला के लिए जमीनें दान दी है जिस से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुनिश्री कमलेश ने बताया कि गाय माता औषधि का भंडार, पर्यावरण का आधार संस्कृति का प्राण और आराधना में ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है गाय का विनाश संपूर्ण सृष्टि के विनाश के समान है। उन्होंने कहा कि सरकार मुर्गा मंत्रालय बना सकती है ,उनको सब्सिडी दे सकती है, जमीन दे सकती है, तो फिर गौ मंत्रालय क्यों नहीं गौशालाओं के लिए जमीन और सब्सिडी क्यों नहीं। पशुधन का कोई विकल्प नहीं है। सक्षम मुनिजी ने मंगलाचरण किया कौशल मुनिजी ने भी अपने विचार व्यक्त किया।

मृत्यु को महोत्सव बनाओ - जीवन को धर्ममय बनाओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने गुरुवार को संसार के स्वरूप की गूढ़ विवेचना करते हुए कहा कि हमारा जीवन क्षणभंगुर है। हमें इसकी अनित्यता का सदैव स्मरण रखना चाहिए। उन्होंने कहा, मनुष्य का आयुष्य आकाश में तैरते बादल के समान है; यह कब टूट जाएगा, कोई नहीं जानता। यह शरीर अस्थायी है, इसलिए धर्म को जीवन में उतारना ही सच्चा प्रयोजन है। जब गुरु का वचन सुनने का सौभाग्य मिले, तो यही भावना जागे कि यह संसार असार है। जिस प्रकार हम गटर की दुर्गंध से स्वयं को दूर रखते हैं, उसी प्रकार संसार रुपी दुर्गंध से भी दूरी बनाना आवश्यक है। समकिती आत्मा को सदैव जागृत रहना है।

पंन्यासश्री ने जीवन की सच्चाई पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम जानते हैं कि हमें मरना है, पर कब और कहां जाना है, यह अज्ञात है। मृत्यु एक भयानक मेहमान है, जिसका सम्मान किए बिना कोई नहीं रह सकता। जीवन की सबसे बड़ी भूल यह है कि हम जानते हैं कि मरना निश्चित है, पर यह नहीं जानते कि मरने से पहले क्या करना है। जब जीवन परीक्षा की घड़ी में हो, तब सजग रहना ही सच्ची साधना है। उन्होंने कहा, हमें उस धोबी के कुत्ते समान नहीं बनना चाहिए, जो न घर का होता है न घाट का। संसार के चक्र को बदलना है तो सोच और आचरण दोनों को धर्ममय बनाना होगा। पंन्यासश्री ने आगे कहा कि धर्म को समय का गुलाम नहीं बनाना, बल्कि उसे जीवन का अंग बनाना चाहिए। जिनशासन में जीवन को सफल बनाने के अनेक उपाय हैं। छोटी-छोटी जयणाओं का पालन कर मन को सकारात्मक बनाना चाहिए।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में तमिलनाडु पॉन ब्रोकर एवम ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द, संघठन के प्रदेश उपाध्यक्ष खेताराम गहलोत और सचिव नारायण लाल सीरवी ने बुधवार को तमिलनाडु के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सन्तोष कुमार आईपीएस से उनके अशोक नगर कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर, संघठन की तरफ़ से उनका सम्मान किया गया। उन्हें दीपावली की शुभकामनाओं सहित भेंट दी गई। एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी समस्याओं से संतोषकुमार को अवगत कराया।

खाण्डल विप्र सभा चेन्नई का दीपावली मिलन 26 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के खाण्डल विप्र सभा व भगवान श्री परशुराम चैरिटेबल ट्रस्ट का सामूहिक दीपावली स्नेह मिलन समारोह 26 अक्टूबर रविवार को सुबह 9 बजे से माधावरम् के मारूति रेस्टारेंट में आयोजित किया जा रहा है। सुबह गणपत बणसिया द्वारा गणेश पूजा व भगवान परशुराम पूजन के सात सामूहिक सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। उसके उपरांत दीपावली की बैठक एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया है।

इस स्नेह मिलन में समाज के सभी बंधुओं को अपने परिवार व रिश्तेदारों सहित सपरिवार आने का आमंत्रण दिया गया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राजू बढ़ाढरा, भंवरलाल चोटिया, सुभाष नवहाल, रामस्वरूप रिनवा, कैलाश पीपलवा, सभा अध्यक्ष नंदेश्वर सेवदा आदि जुटे हुए हैं।

अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में निशुल्क नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 30वां नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर नेमीचंद कमला देवी सिंघवी, कुचेरा, संगम ग्रुप, और एम एन आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। इस शिविर में महिपाल सिंघवी, रणजीत शाह, सुंदरलाल, डॉ.योगिता और हितेश का योगदान रहा। शिविर में 27 लोगों ने निशुल्क आंखो की जांच कराई जिसमें 9 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे। क्लिनि में अगला शिविर 12 नवम्बर को होगा।

जहां प्रेम नहीं, वहां सब बेकार : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि पंच दिवसीय पर्व के आखिरी दिन को भाई दूज बोलते हैं। यह भाई बहन के प्यार का प्रतीक है। जब प्रभु महावीर मोक्ष में पधारे तो उनके भाई नंदी वर्धन को बहुत तकलीफ हुई । संसारी आत्मा को कभी-कभी राग होता है। जब कोई प्रिय चला जाता है तो बहुत तकलीफ होती है। नंदी वर्धन को भाई के जाने का दुख हुआ तो उन्होंने भोजन भी नहीं किया। भगवान महावीर प्रभु के जाने से बहुत दुखी हुए। दो दिन बाद उनकी बहन सुदर्शना ने भाई को समझाया। तब उन्होंने कहा कि भाई चला गया और बहन भी ससुराल चली गई। अब खुद को कैसे समझाऊं? महावीर भगवान निर्वाण हो गए, अब उनको कहां से लाऊं ? नंदी वर्धन ने कहा कि भगवान ने अपना कल्याण कर लिया, अब मेरा क्या होगा? उसके बाद उनकी बहन ने उनको उसी मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। एक समय था जब भाई भाई को अच्छा लगता था लेकिन अब ऐसा मामला नहीं है। फिर भी यह पर्व मनुष्य को प्रेम का संदेश देता है। जहां प्रेम है वहां सब कुछ है। जहां प्रेम नहीं वहां कुछ भी नहीं है। आज के समय में घर में 10 लोग रहते हैं लेकिन आपस में बात भी नहीं होती है।

आरआरनगर तेरापंथ भवन में तुलसी जन्मोत्सव व सम्मान समारोह आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में गुरुवार को गणाधिपति तुलसी का 112वां जन्मोत्सव (अणुव्रत दिवस) व अभातेयुप के नए अध्यक्ष पवन मांडोत व संगठन मंत्री रोहित कोठारी का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी अतिथियों को परिषद द्वारा जैन पट्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। तेरापंथ सभा व ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, उपाध्यक्षा सरोज बैद, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू बोथरा, अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, सीपीएस प्रभारी दिनेश मरोठी ने अपने विचार व्यक्त किए। पवन मांडोत ने सेंटर फ़ोर एक्सीलेंस-युवा लोक को बेंगलूरु में स्थापित करने की भावना रखी।

साध्वी विनीतयशाजी ने गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी पुण्ययशाजी ने गणाधिपति तुलसी को याद किया एवं अभातेयुप ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की क्षेत्रीय संयोजिका चुने जाने पर रुचिका पटवारी का तेयुप द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर अनेक संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। युवक परिषद के मंत्री संदीप बैद ने संचालन किया एवं विपुल पितलिया ने धन्यवाद दिया ।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर के सदस्यों ने दीपावली के उपलक्ष्य में बुधवार को अक्कीपेट सर्कल पर अन्नदान का आयोजन किया, जिसमें 500 से ज्यादा व्यक्तियों को प्रसाद के रूप में भोजन एवं मिठाई का वितरण किया। इस मौके पर सेंटर के अध्यक्ष विजय राज सिसोदिया, प्रायोजक व कोषाध्यक्ष पदम भूरट, उपाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा आदि ने सेवा दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.